



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 23, 1990/आषाढ़ 2, 1912

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 23, 1990/ASADHA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
(जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities
other than the Administration of Union Territories)

गृह मंत्रालय

(भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय)

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1987

मा.का.नि. 378—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस अधिक्रमण से
पहले इस संबंध में की गई या की जाने वाली कार्यवाही को छोड़कर, भारत के महारजिस्ट्रार और पदेन जनगणना आयुक्त का कार्यालय और राज्यों
नथा संघ राज्यक्षेत्रों में स्थित जनगणना कार्य निदेशकों के कार्यालय (महायक/प्रधान लिपिक) भर्ती नियम, 1984 का अधिक्रमण करते हुए, भारत के
महारजिस्ट्रार के विभिन्न कार्यालयों और राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में स्थित जनगणना कार्य निदेशकों के कार्यालयों में महायक/प्रधान लिपिक के उक्त
पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम भारत के महारजिस्ट्रार और पदेन जनगणना आयुक्त का कार्यालय और राज्यों और
संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित जनगणना कार्य निदेशकों के कार्यालय (महायक/प्रधान लिपिक) भर्ती नियम, 1990 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के
स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं आदि: उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं और उनसे
संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु सम्प्रतत नियुक्ति अधिकार। यदि वह ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझें, मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और
उसके लिये जो भी कारण हों उन्हें लेखबद्ध करके किसी भी कार्यालय में जिस पर ये नियम लागू होते हैं और जिसके लिये वह नियुक्ति प्राधिकारी
हैं उसकी बाबत, उक्त पद से हुई, किसी भी रिक्ति को किसी अन्य कार्यालय में जिस पर ये नियम लागू होते हैं, उसी पद को धारण करने वाले
किसी व्यक्ति के स्थानान्तरण द्वारा भरने का आदेश दे सकेंगे यदि स्थानान्तरण किए जाने वाले व्यक्ति ने ऐसे स्थानान्तरण के लिये लिखित रूप में
आवेदन किया हो।

और बताने कि इस प्रकार स्थापनाकृत व्यक्ति को उस दौड़ में उन सभी व्यक्तियों के नीचे रखा जाएगा जो उस दौड़ में पहले के ही नियमित आधार पर नियुक्त किए गए हों।

4. निरहताएँ : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिक्षित करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की शक्ति, आदेश द्वारा शिक्षित कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

| पद का नाम | पदों की संख्या | वर्गीकरण | बेतनमान | चयन पद अथवा अचयन पद | सेवा में जोड़ गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय निबिल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं | सीधे भर्ती किये जाने वाले नियम-सीमा | व्यक्तियों के |
|-----------|----------------|----------|---------|---------------------------|--|--|---------------|
|-----------|----------------|----------|---------|---------------------------|--|--|---------------|

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|--------------------|------|--|--------------------------------------|-----|------|--|
| सहायक/प्रधान लिपिक | 107* | सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह "ग" अराजपत्रित, अनुसार संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है | 1400-40-1800- द.रो.-50-2300 रुपये | चयन | नहीं | 25 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये 35 वर्ष तक शिक्षित की जा सकती है) टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने के लिये निर्णायक तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवदन-पत्र प्राप्त करने के लिये नियत की गई अन्तिम तारीख होगी। जिन पदों पर रोजगार कार्यालयों के माध्यम से नियुक्तियों की जाती हैं उनके लिये आयु सीमा अवधारित करने लिये निर्णायक तारीख, प्रत्येक मामले में, वह होगी जिस अन्तिम तारीख तक रोजगार कार्यालय की नामों को भेजने के लिये कहा जायेगा। |

| सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य अर्हताएं | सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित भाग्य और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं | परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो | भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों से भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता |
|--|---|-----------------------------|--|
| 8 | 9 | 10 | 11 |
| अनिवार्य 1. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समतुल्य 2. किसी सरकारी कार्यालय में प्रशासनिक और स्थापना मामलों में 3 वर्ष का अनुभव और ऐसे मामलों और कार्यालय पद्धति को शासित करने वाले नियमों और विनियमों का विस्तृत ज्ञान। | नहीं | 2 वर्ष | प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। टिप्पण: 425-640 रुपये के वेतनमान (पूर्व संशोधित) में नियमित आधार पर नियुक्त लेखाकारों को संबंधित कार्यालयों में प्रारम्भिक गठन के समय 1400-2300 रुपये के वेतनमान (संशोधित) में सहायक के पद पर स्थानान्तरण द्वारा नियमित आधार पर नियुक्त माना जायेगा। |

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

प्रोन्नति : सम्बन्धित कार्यालयों में ग्रेड में (1200-30-1560-द.रो.-40-2040 रुपये) 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उच्च श्रेणी लिपिक।
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी जो सदृश पद धारण किए हैं या जिन्होंने 1200-30-1560-द.रो.-40-2040 रु. के या समतुल्य वेतनमान वाले पद में 5 वर्ष की नियमित सेवा की है और जिनके पास कालम 8 के अधीन सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित शैक्षिक अर्हता और अनुभव हो।
(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति (भाषा प्रभाग), कलकत्ता के लिये)

1. उप महारजिस्ट्रार (भाषा) या सहायक महारजिस्ट्रार (भाषा)—अध्यक्ष
 2. सहायक महारजिस्ट्रार (भाषा) या भाषाविद् या अनुसंधान अधिकारी (भाषा) या सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)—सदस्य
 3. केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालय के समूह "क" का एक अधिकारी जो अधिमानतः अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित हो—सदस्य
- समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति (राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित संबंधित जनगणना कार्य निदेशकों के कार्यालयों के लिये)

1. निदेशक, जनगणना कार्य या संयुक्त निदेशक, जनगणना कार्य या उप निदेशक, जनगणना कार्य या सहायक निदेशक, जनगणना कार्य या सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)—अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, जनगणना कार्य या उप निदेशक, जनगणना कार्य या सहायक निदेशक, जनगणना कार्य या सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)—सदस्य
3. केन्द्रीय सरकार के अन्य कार्यालय के समूह "क" का एक अधिकारी जो अधिमानतः अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित हो—सदस्य

[सं 4/40/82-प्रशा.-II]

महेन्द्र नाथ, भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार

टिप्पण :—अब अधिकम सहायक/उप लिपिक के पद के भर्ती नियम नारायण 22-12-84 का सा.का.नि. संख्या 1269 द्वारा सरकारी राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Office of the Registrar General, India)

New Delhi, the 11th February, 1987

G.S.R. 378.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Office of the Registrar General, India and ex-officio Census Commissioner for India and the offices of the Directors of Census Operations in States and Union territories Assistant/Head Clerk recruitment Rules, 1984 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the said post of Assistant/Head Clerk in the various Offices of the Registrar General, India as well as the offices of the Directors of Census Operations in the States and the Union territories namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the office of the Registrar General and ex-officio Census Commissioner for India and the offices of the Directors of Census Operations in States and Union territories (Assistant/Head Clerk) Recruitment Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, educational and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, educational and other qualifications, and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 14 of the schedule aforesaid.

Provided that the appointing authority concerned may, if it considers necessary or expedient so to do, having regard to the circumstances of the case and for reasons to be recorded in writing, order any vacancy in the said posts in any of the offices to which these rules apply and in relation to which he is the appointing authority to be filled by transfer of a person holding the same post in any of the other offices to which these rules apply when the person to be transferred has made a request in writing for such transfer:

Provided further that the persons so transferred shall be placed below all persons already appointed on regular basis to the grade to which he is appointed on such transfer.

4. Dis-qualification:—No person,—

(a) who has entered into, or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said Post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of the rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government, is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

| Name of post | Number of posts | Classification | Scale of pay |
|----------------------|--|--|------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| Assistant Head Clerk | *107 *Subject to variation dependent on work load | General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial | Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300. |

| Whether Selection post or non-selection post | Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972 | Age limit for direct recruits |
|--|---|-------------------------------|
| 5 | 6 | 7 |

| | | |
|---|----|---|
| Selection | No | 25 years (Relaxable upto 35 year for Government servants in accordance with the instruction or orders issued by the Central Government. |
| Note :— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands, and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall, in each case, be the last date upto which the Employment Exchange are asked to submit names. | | |

| Education and other qualifications required for direct recruits | Whether age and qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees | Period of probation, if any |
|---|---|-----------------------------|
|---|---|-----------------------------|

8

9

10

Essential :

No

2 years

- (i) Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) 3 years' experience in administrative and establishment matters in a Government Office and possessing a thorough knowledge of rules and regulations governing such matters and office procedure.

Method of recruitment whether direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made

11

12

Promotion failing which by transfer on deputation/transfer, and failing both by direct recruitment.

Note :—The Regularly appointed Accountants in the scale of pay of Rs. 425-640 (Pre-revised) shall be deemed to have been appointed by transfer as Assistants in the scale of pay of Rs. 1400-2300 (Revised) on regular basis in the respective offices at the initial constitution.

Promotion :—Upper Division Clerk(s) in the respective officers with 5 years' regular service in the grade (Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040).

Transfer on deputation/transfer :—

Officials of the Central Govt./State Government holding analogous posts or with 5 years regular service in the post in the scale of pay of Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040 or equivalent, and possessing the educational qualification and experience prescribed for direct recruits in column 8 (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).

13

Group 'C'

Departmental Promotion Committee (for the Language Division Calcutta) :

1. Deputy Registrar General (Languages) or Assistant Registrar General (Languages)—Chairman
2. Assistant Registrar General (Languages) or Linguist or Research Officer (Languages) or Assistant Director of Census Operations (Technical)—Member.
3. A Group 'A' Officer of another Central Government Office preferably belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes—Member.

Group 'C' Departmental Promotion Committee (for the respective offices of the Directors of Census Operations in States and Union territories)

1. Director of Census Operations or Joint Director of Census Operations or Deputy Director of Census Operations or Assistant Director of Census Operations or Assistant Director of Census Operations (Technical)—Chairman.
2. Joint Director of Census Operations or Deputy Director of Census Operations or Assistant Director of Census Operations or Assistant Director of Census Operations (Technical)—Member
3. A Group 'A' Officer of another Central Government office, preferably belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

[No. 4/40/82-RG (Ad. II)]

MAHENDRA NATH, Jt. Registrar General, India

NOTE :—The recruitment rules for the post of Assistant/Head Clerk now superseded were published in official Gazette vide GSR No. 1268 dated 22-12-84.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून, 1990

सा.का.नि. 379.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 318 के उप-खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाते हैं. अर्थात्—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) संशोधन विनियम, 1990 है।

(2) ये 1 जून, 1988 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

(3) ये 1 जून, 1988 से पूर्व नियुक्त सदस्यों को भी लागू होंगे।

2 संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969 के विनियम 1 के चौथे परन्तुक में, "पेंशन समतुल्य" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अन्तः स्थापित किए जाएंगे अर्थात्—

"और नियोजक का अभिदायी भविष्य निधि का अंश"

[संख्या 39025/3/88-स्था. (ख)]

एम. बी. केशवन, निदेशक

टिप्पणी : मूल विनियम भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप खण्ड (i) अधिसूचना सा.का.नि. 1402 तारीख 11-10-1969 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और बाद में उनको निम्नलिखित द्वारा संशोधित किया गया :—

क्रम संख्या सा.का.नि. संख्या प्रकाशन की तारीख

| | | |
|-----|--------|-----------|
| 1. | 1230 | 6-10-1979 |
| 2. | (1418) | 1-12-1979 |
| 3. | 257 | 8-3-1980 |
| 4. | 977 | 27-9-1980 |
| 5. | 832 | 12-8-1981 |
| 6. | 388 | 21-5-1983 |
| 7. | 640 | 3-9-1983 |
| 8. | 584 | 30-5-1984 |
| 9. | 692 | 6-9-1986 |
| 10. | 344 | 30-4-1988 |
| 11. | | |

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या

39025/3/88-स्था. (ख) की व्याख्यात्मक टिप्पणी

संविधान के अनुच्छेद 318 (क) के अनुसार राष्ट्रपति, को, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए विनियम बनाने की शक्तियां दी गई हैं। तदनुसार संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियमावली 19 सितम्बर, 1969 को जारी कर दी गई थी। इस विनियमावली के नियम 4 का संबंध संघ लोक सेवा आयोग में किसी व्यक्ति की अध्यक्ष/सदस्य के रूप में नियुक्ति होने पर, उसे दी जाने वाली वेतन राशि से है। विनियम 4 के चतुर्थ परन्तुक का संबंध ऐसे किसी व्यक्ति की अध्यक्ष/सदस्य के रूप में नियुक्ति हो जाने पर उसका वेतन किस प्रकार निर्धारित किया जाएगा, से है। इस परन्तुक के अनुसार, किसी ऐम व्यक्ति को जो सरकारों सेवा, किसी स्थानीय निकाय, किसी विश्वविद्यालय अथवा किसी ऐसे अन्य निकाय जो पूर्णतया अथवा अधिकांशतः सरकार के स्वामित्व अथवा नियंत्रण में हो, सेवानिवृत्त हुआ हो, और जिसने पेंशन उपदान, अभिदायी भविष्य निधि अथवा अन्य

सेवानिवृत्ति प्रमुविधाएं प्राप्त करता हो या प्राप्त की हो अथवा उन्हें प्राप्त करने का हकदार हो गया हो—अध्यक्ष अथवा एक सदस्य के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, विनियम 4 में निदिष्ट पेंशन की कुल राशि (जिसमें पेंशन का कोई अंश जिसका सरांशिकरण किया गया हो) तथा सेवानिवृत्ति प्रमुविधाओं के अन्य किसी रूप में पेंशन के समतुल्य राशि, यदि कोई हो, वेतन में से घटा दी जाएगी।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 3 जून, 1989 के कार्यालय स्थापन संख्या 3/3/87-स्था. (वेतन-II) द्वारा जारी आदेशों की शर्तों के अनुसार, संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियमावली में यह व्यवस्था करने के लिए पहले संशोधन कर दिया गया है कि इस तरह निर्धारित वेतन में से पूर्व सेवा के लिए प्राप्त सेवानिवृत्ति उपदान के समतुल्य पेंशन नहीं घटाई जाएगी। चूंकि इन विनियमों में ऐसे किसी व्यक्ति को भी अध्यक्ष/सदस्य के रूप में नियुक्त करने की व्यवस्था है जो (i) स्थानीय निकाय (ii) विश्वविद्यालय अथवा (iii) किसी ऐसे अन्य निकाय, जो पूर्णतया अथवा अधिकांशतः सरकार के स्वामित्व अथवा नियंत्रण में हो, से सेवानिवृत्त हुआ है, अतः यह निर्णय किया गया है कि नियोजक के अभिदायी भविष्य निधि के अंश को पेंशन समतुल्य के अनुरूप माना जाए तथा इसकी कटौती अध्यक्ष/सदस्य, जो कि अभिदायी भविष्य निधि का लाभग्राही था, के वेतन को निर्धारित करते समय नहीं की जानी चाहिए। चूंकि संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति होने पर वेतन निर्धारित करते समय पूर्व सेवा के लिए प्राप्त सेवा निवृत्ति उपदान के समतुल्य पेंशन को न गिने जाने वाले आदेशों को पहली जून, 1988 से लागू किया गया था इसलिए यह उपयुक्त होगा कि इस संशोधन को भी उसी तारीख अर्थात् 1-6-1988 से लागू किया जाए। इस संशोधन को मूलशर्तों प्रभाव से लागू करने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 4th June, 1990

G.S.R. 379.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (a) of article 318 of the Constitution, the President hereby makes the following regulations further to amend the Union Public Service Commission (Members) Regulations 1969, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Union Public Service Commission (Members) Amendment Regulations, 1990.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of June, 1988.

(3) They shall also apply to the Members appointed prior to 1st day of June, 1988.

2. In the fourth proviso to regulation 4 of the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, after the words, "retirement gratuity" and before the words "received for the previous service", the following words shall be inserted namely:—

"and employer's share of Contributory Provident Fund."

[No. 39025/3/88-Estt. (B)]

M. V. KESAVAN, Director

NOTE.—The principal regulations were published vide Notification GSR No. 1402 Dated 11-10-1969 in the Gazette of India 1969, Part II, Section 3, sub-section (i) and Subsequently amended by:—

| Sl. No. | GSR No. | Date of Publication |
|---------|---------|---------------------|
| 1. | 1230 | 6-10-1979 |
| 2. | 1418 | 1-12-1979 |
| 3. | 257 | 8-3-1980 |
| 4. | 977 | 27-9-1980 |
| 5. | 832 | 12-8-1981 |

| | | |
|-----|-----|-----------|
| 6. | 388 | 21-5-1983 |
| 7. | 640 | 3-9-1983 |
| 8. | 584 | 30-5-1984 |
| 9. | 692 | 6-9-1986 |
| 10. | 344 | 30-4-1988 |

Explanatory Note to the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions Notification No. 39025/3/88-Estt. B

According to article 318(a) of the Constitution, the President has been empowered to make regulations to regulate the conditions of service of the Chairman and members of the Union Public Service Commission. Accordingly the Union Public Service Commission (Members) Regulations were issued on 19th September, 1969, Regulation 4 of these Regulations relates to the amount of pay to be paid to a person on his appointment as Chairman/Member of the UPSC. The fourth proviso to Regulation 4 deals with the manner in which the pay of such a person on appointment as the Chairman or a Member shall be fixed. According to this proviso, in case of appointment as Chairman or a Member of a person who has retired from service under the Government, a local body, a university or any other body wholly or substantially owned or controlled by the Government and who is in receipt of or has received or has become entitled to receive any retirement benefit by way of pension, gratuity, contributory provident fund or otherwise, the pay specified in Regulation 4 shall be reduced by the gross amount of pension (including any portion of the pension which may have been commuted) and the pension equivalent of the other forms of retirement benefits, if any.

In terms of orders issued by the Department of Personnel and Training vide O.M. No.3/3/87-Estt. (Pay. II) dated 3rd June, 1989, the UPSC (Members) Regulations have already been amended to provide that the pension equivalent of retirement gratuity received for the previous service shall not be deducted from the pay so fixed. However, since these regulations provide for appointment as Chairman/Member also of a person who retire from (i) Local Body (ii) University, or (iii) any other body wholly or substantially controlled by Government, it has been decided that payment of employer's share of Contributory Provident Fund should be treated on the analogy of pension equivalent and the same should not be deducted while fixing pay of Chairman/Member, who was a CPF beneficiary. Since the orders ignoring pension equivalent of retirement gratuity received for the previous service at the time of fixation of pay of appointment as Chairman, UPSC, were given effect to with effect from 1st June, 1988, it would be appropriate that this amendment is also given effect from the same date, namely, 1-6-1988. No one's interest would be adversely affected by giving retrospective effect to this amendment.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1990

मा.का.नि. 380:—केन्द्रीय सरकार ने अपने निम्नलिखित आदेश द्वारा—

- (i) फाइल सं. 21/41/88-ए.डी.आई.सी. दिनांक 30 मार्च, 1989 द्वारा श्री एस. के. राय, उपाध्यक्ष, समझौता आयोग की अध्यक्ष, धन-कर समझौता आयोग के रूप में उस तारीख से नियुक्त किया था जिससे उन्होंने उक्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया;
- (ii) फाइल सं. 21/13/89-ए.डी.आई.सी. दिनांक 27 सितंबर, 1989 द्वारा श्री ओ.पी. भारद्वाज, सदस्य केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को उपाध्यक्ष, धन-कर समझौता आयोग के रूप में 27 सितंबर, 1989 से नियुक्त किया था; और

- (iii) फाइल सं. 21/1/88-ए.डी.आई.सी. (पी.टी.)—“ए” तारीख 27 जनवरी, 1989 का. म. 21/1/88-ए.डी.आई.सी. (पी.टी.) “बी” तारीख 27 जनवरी, 1989 का. म. 21/1/88 ए.डी.आई.सी. (पी.टी.) “सी” तारीख 27 जनवरी, 1989 का. म. 21/1/88-ए.डी.आई.सी. (पी.टी.) “डी” तारीख 27 जनवरी, 1989 द्वारा श्री एस.सी. बहल, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन), श्रीमती एल. रामामुहम्मद, आयकर महानिदेशक (कूट), श्री बी.के. श्रीवास्तव और श्री डी.सी. शुक्ला, आयकर मुख्य आयुक्त (सेवानिवृत्त) को सदस्य धन समझौता आयोग के रूप में उस तारीख (उन तारीखों) से, जिससे/जिनसे उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया और श्री सी.एम. जैन, सदस्य केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को भी उक्त आयोग के सदस्य के रूप में 27 सितंबर, 1989 से नियुक्त किया था,

और श्री एस. के. राय ने 3 अप्रैल, 1989 के पूर्वार्द्ध से उक्त समझौता आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है;

और सर्वश्री एल.सी. बहल, श्रीमती एल. रामामुहम्मद, बी.के. श्रीवास्तव और डी.सी. शुक्ला ने उक्त समझौता आयोग के सदस्यों के रूप में क्रमशः 1 मई, 1989, 17 फरवरी, 1989, 2 फरवरी, 1989 और 14 फरवरी, 1989 से कार्यभार ग्रहण कर लिया है;

अतः कि अब केन्द्रीय सरकार, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग को अधिभुक्ता संख्या मा.का. नि. 1182, दिनांक 5 सितंबर, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

- (क) मद (ii) में, “आर. आर. खोसला” अक्षरों और शब्द के स्थान पर “एस. के. राय” अक्षर और शब्द रखे जाएंगे;
- (ख) मद (iii) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—
“(iii) सर्वश्री एस.आई. बिगठो, आर. पी. भारद्वाज को उक्त समझौता आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है”
- (ग) मद (iv) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी अर्थात् :—
“(iv) सर्वश्री डी.एन. पांडे, आर. पन्नाद, एस.सी. बहल, श्रीमती एल. रामामुहम्मद, बी.के. श्रीवास्तव, डी.सी. शुक्ला और सी.एम. जैन को उक्त आयोग के सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है।”

[सं. 17/90/पा. सं. 21/3/90-ए.डी.आई.सी.]
ए. के. मिह्रा, टेम्क अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 31st May, 1990

G.S.R. 380.—Whereas the Central Government vide its orders:—

- (i) F. No. 21/41/88-Ad. IC dated 30th March, 1989 appointed Shri S. K. Roy, Vice Chairman, Settlement Commission as Chairman, Wealth-tax Settlement Commission with effect from the date he took over charge as Chairman of the said Commission;
- (ii) F. No. 21/13/89-Ad. IC dated 27th September, 1989 appointed Shri O. P. Bhardwaj, Member, Central Board of Direct Taxes as Vice-Chairman, Wealth-tax Settlement Commission with effect from the 27th day of September, 1989; and
- (iii) F. No. 21/1/88-Ad. IC(pt.)-A dated 27th January, 1989, F. No. 21/1/88-Ad. IC (pt.)-B dated 27th January, 1989, F. No. 21/188-Ad. IC (pt.)-C dated 27th January, 1989, F. No. 21/1/88-Ad. IC(pt.)-D

dated 27th January, 1989, appointed Shri S. C. Behl, Chief Commissioner of Income-tax (Admin), Smt. L. Ramasubramanyam, Director General of Income-tax (Exemptions), Shri V. K. Srivastava and Shri D. C. Shukla, Chief Commissioner of Income-tax (retired) as Members, Wealth-tax Settlement Commission with effect from the date(s) they took over charge and Shri C. S. Jain, Member, Central Board of Direct Taxes also as Member with effect from 27th September, 1989 of the said Commission.

And whereas Shri S. K. Roy has taken over as Chairman of the said Settlement Commission with effect from the forenoon of the 3rd day of April, 1989;

And whereas S/Shri S. C. Behl, Smt. L. Ramasubramanyam, V. K. Srivastava and D. C. Shukla have taken over as Members of the said Settlement Commission with effect from the forenoon of the 1st May, 1989, 17th February, 1989, 2nd February, 1989 and 14th February, 1989 respectively;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 22B of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby makes the following further

amendment in notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. GSR 1182 dated 5th September, 1979, namely:—

(a) in item (ii), for the letters and word "R. R. Khosla" the letters and word "S. K. Roy" shall be substituted;

(b) for item (iii), the following item shall be substituted, namely:—

"(iii) appoints S/Shri S. L. Upadhi, O. P. Bhardwaj as Vice-Chairmen of the said Settlement Commission".

(c) for item (iv), the following item shall be substituted, namely:—

"(iv) appoints S/Shri D. N. Pathak, R. Prasad, S. C. Behl, Smt. L. Ramasubramanyam, V. K. Srivastava, D. C. Shukla and C. S. Jain as Members of the said Commission".

[No. 12/90/F. No. 21/3/90-Ad IO]

A. K. SINHA, Desk Officer

पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1990

सा. का. नि. 331--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के पक्षक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (मन्त्रालय, पेट्रो-रसायन, श्रेणी-1 राजपत्रित) भर्ती नियम, 1968 का अधिष्ठापन करने हुए निम्नलिखित बातों के जो जिनको ऐसे अधिष्ठापन से पूर्व की गयी है या करने का लोप किया गया है, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग) में मन्त्रालय (पेट्रो-रसायन) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. मक्षिण नाम और प्रारम्भ: इन नियमों का मक्षिण नाम रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग, मन्त्रालय (पेट्रो-रसायन) भर्ती नियम, 1990 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वही होगा जो इन नियमों में उल्लेख अनुसूची के स्लॉब 2 में 1 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य प्रस्ताव आदि:—यदि उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, वर्गीकरण और उक्त संबंधित अन्य बातें वे होतीं जो उक्त अनुसूची के स्लॉब 5 में 1 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निम्नलिखित वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार पर लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है, और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकेगा।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति: जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाधना आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:—इस संशोधन में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित क्षेत्रों, तथा ऐसे ही लोगों के विशेष वर्ग को दिये जाने वाले अपेक्षित आदेशों, आयु सीमा में होत तथा अन्य ग्राहकों पर इन नियमों का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

| पदों का नाम | पदों की संख्या | वर्गीकरण | वेतनमान | चयन पद अथवा अचयन पद | सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु- सीमा | क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत जोड़े गये वर्षों का लाभ ग्राह्य है |
|---|----------------|--|---------------------|--|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| सलाहकार (पेट्रो रसायन) | 1* | सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित अलिपिकवर्गीय | 5900-200-6700 र. | लागू नहीं होता | 50 वर्ष से अधिक नहीं। (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्म- चारियों के लिये 5 वर्ष की छूट)। टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारित किये जाने के लिये निर्णायक तारीख वह होगी जो तारीख भारत (न कि असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य का लद्दाख़ डिवीजन, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिती जिले और चम्बा जिले का पांगी सब-डिवीजन, अण्डमान निकोबार द्वीप समूहों या लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के लिये निर्धारित अंतिम तारीख) में उम्मीदवारों से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख है। | केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 कालम केवल सीधी भर्ती वालों पर लागू किया जा सकता है। यह लाभ उनको नहीं मिलेगा जिनको केन्द्रीय/ राज्य सरकारों और स्वशामी निकायों के अन्तर्गत उनकी पूर्व सेवाओं को पेंशन संबंधी लाभ के लिये गणना में लाने की अनुमति दी गई है और जिन्होंने इन निकायों के अंतर्गत अपनी पूर्व सेवाओं में सेवा के जोड़े गये वर्षों का लाभ प्राप्त किया है। |
| सीधी भर्ती किये जाने वाले उम्मीदवारों के लिये अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं | | | | क्या सीधे भर्ती किये जाने वाले उम्मीदवारों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत किये जाने वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी | परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो | भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता |
| 8 | | | | 9 | 10 | 11 |
| आवश्यक : | | | | आयु : नहीं शैक्षिक अर्हताएं : हां | सीधे भर्ती वालों के लिये एक वर्ष | प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था- नान्तरण (लघु अवधि अनुबंध सहित) जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा। |
| (क) (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कैमिकल इंजीनियरिंग/ कैमिकल टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी रसायन उद्योग में परियोजना आयोजन प्रक्रिया मूल्यांकन और विकास में 13 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव अथवा रसायन उद्योगों की योजना, विकास, उत्पादन और समस्याओं से संबंध रखने वाले सरकारी विभागों में 13 वर्ष का अनुभव। 13 वर्ष के अनुभव में 7 वर्ष का अनुभव पेट्रो- कैमिकल्स में होना चाहिए। अथवा (ख) (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से आर्गेनिक कैमिस्ट्री में स्नात- कोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। | | | | | | |

8

9

10

11

2. रसायन उद्योग में परियोजना आयोजना, प्रक्रिया मूल्यांकन और विकास का 15 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव या रसायन उद्योगों की आयोजना, विकास, उत्पादन और समस्याओं में संबंधित सरकारी विभागों में 15 वर्ष का अनुभव। 15 वर्षों के अनुभव में से 7 वर्ष का अनुभव पैट्रोसायनों में होना चाहिए।

नोट :—अन्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हताओं में छूट दी जा सकती है।

नोट :2. अनुभव से संबंधित अर्हता (अर्हताओं) में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के संबंध में छूट दी जा सकती है यदि चयन करते समय संघ लोक सेवा आयोग का किसी भी समय यह मत हो कि इन वर्गों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन जातियों के उम्मीदवारों को पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वांछनीय : किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कैमिकल इंजीनियरिंग टैक्नालाजी या आर्गेनिक कैमिस्ट्री में डाक्टरेट की उपाधि अथवा समकक्ष।

| | | |
|---|---|---|
| प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रेड जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा। | यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना | भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा। |
|---|---|---|

12

13

14

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (अल्प अवधि अनुबन्ध सहित) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं के अधिकारों :

- (क) 1. जो नियमित आधार पर सदृश पदों पर कार्य कर रहे हैं, अथवा
2. 5100-5700 रुपये अथवा समकक्ष वेतनमान में 2 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हो, अथवा
3. 4500-5700 रु. वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हो, अथवा
4. 3700-4500 रु. या समकक्ष वेतनमान में 8 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हो, और

(ख) कालम 8 के अन्तर्गत सीधी भर्ती वालों के लिये निर्धारित अक्षि अर्हताएं और अनुभव रखते हों।

नोट :—उप-सलाहकार (पेट्रोसा.) के ग्रेड में 3 वर्ष की नियमित सेवा वाले विभागीय उप-सलाहकार (पेट्रोसा.) जिसके न होने पर उप-सलाहकार (पेट्रोसा.) और परियोजना अधिकारी के ग्रेडों में 8 वर्ष की सम्मिलित नियमित सेवा वाले उप-सलाहकार (सी) जिनमें से कम से कम एक वर्ष की सेवा उप-सलाहकार (पेट्रोसा.) के ग्रेड में सेवा पर भी प्रतिनियुक्ति वाले उम्मीदवारों के साथ विचार किया जायेगा और यदि उसका पद के लिये चयन हो जाता है तो पद को प्रोन्नति द्वारा भरा माना जायेगा।

(इस नियुक्ति से तत्काल पूर्व उसी या केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य संगठन/विभाग में अन्य संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित प्रतिनियुक्ति अनुबंध की अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (स्थानीयकरण पर विचार करने के लिये)

1. सचिव (रसायन और पैट्रोसायन)—अध्यक्ष
2. दो अधिकारी जो भारत सरकार में सचिव या अतिरिक्त सचिव के स्तर के हों जिन्हें सचिव (रसायन और पैट्रो-रसायन) द्वारा नामित किया जायेगा।

नोट : सीधी भर्ती वाले उम्मीदवार को स्थायी करने के संबंध में विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाही को अनुमोदन के लिये संघ लोक सेवा आयोग के पास भेजा जायेगा। किन्तु यदि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उन्हें अनुमोदित नहीं किया जाता है तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोन्नति समिति की फिर से बैठक होगी।

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Chemicals and Petrochemicals)

New Delhi, the 27th March, 1990

G.S.R. 381.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Ministry of Petroleum and Chemicals (Adviser Petrochemicals Class-I Gazetted) Recruitment Rules, 1968, except as respects things done as omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Adviser (Petrochemicals) in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Chemicals and Petrochemicals), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Chemicals and Petrochemicals [Adviser (Petrochemicals)] Recruitment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Number of post, Classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, had done shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

| Name of the post | No. of Post | Classification | Scale of Pay |
|--------------------------|--|---|--------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| Adviser (Petrochemicals) | 1* *Subject to variation dependent on workload. | General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial. | Rs. 5900-200-6700. |

| Whether Selection Post or non-Selection Post | Age limit for direct recruits | Whether benefit of added years of Service admissible under Rule 30 of the C.C.S. (Pension Rules, 1972) |
|--|---|--|
| 5 | 6 | 7 |
| Not applicable. | Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note : The Crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in | "The benefit of Rule 30 of the CCS (Pension) Rule 1972 can be made applicable for direct recruits only. The benefit will not be admissible to those who are allowed to count for Pensionary benefit their previous service under Central/State Governments and autonomous bodies and to those who have |

5

6

7

India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep).

received the benefit of added years of service in their previous service under these bodies."

Educational and other qualifications required for direct recruits

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees

Period of probation, if any

Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods

8

9

10

11

Essential :

A. (i) A Master's degree in Chemical Engineering/Chemical Technology from a recognised University or equivalent.

Age : No.

Educational Qualifications : Yes.

1 year for direct recruits.

Promotion/transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.

(ii) 13 years' practical experience in project planning, process evaluation and development in a chemical industry or 13 years' experience in Government departments dealing with planning, development, production and problems of chemical industries. Out of 13 years' experience 7 years' experience should be in Petrochemicals.

OR

B. (i) A Master's degree in Organic Chemistry from a recognised university or equivalent.

(ii) 15 years' practical experience in project planning, process evaluation and development in a chemical industry or 15 years' experience in Government departments dealing with planning, development, pro-

| 8 | 9 | 10 | 11 |
|---|---|--|----|
| duction and problems of chemical industries. Out of 15 years' experience 7 years' experience should be in Petrochemicals. | | | |
| Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. | | | |
| Note 2. The qualification (s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. | | | |
| Desirable : | | | |
| A doctorate degree in Chemical Engineering/Technology or in Organic Chemistry from a recognised university or equivalent. | | | |
| Case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades which promotion/deputation/transfer to be made | If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition | Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt. | |
| 12 | 13 | 14 | |
| Promotion/transfer on deputation (including short term contract | Group 'A' Departmental Promotion Committee : | Consultation with the Union Public Service Commission necessary on each occasion. | |
| Transfers under the Central/State Government/Public Sector undertakings/ Universities/Research Institutions : | (For considering confirmation consisting of— | | |
| (i) holding analogous posts on regular basis; or | 1. Secretary (Chemicals & Petrochemicals)—Chairman | | |
| (ii) with 2 years' regular service in the posts in the scale of Rs. 5100—5700 or equivalent; or | 2. Two Officers of the rank of Secretary or Additional Secretary to the Government of India as may be nominated by the Secretary (Chemicals & Petrochemicals). | | |
| (iii) with 3 years' regular service in the posts in the scale of Rs. 4500-5700; or | “Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to | | |
| (iv) with 8 years' regular service in the posts in the scale of Rs. 3700—5000 or equivalent; and | confirmation of a direct recruit shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If however, these are not approved by the Union Public Service Commission a | | |
| (v) possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8. | fresh meeting of the Departmental | | |

12

13

14

Note : Departmental Deputy Adviser (Petrochemicals) with 3 years' regular service in the grade failing which Deputy Adviser (P) with 8 years combined regular service in the grades of Deputy Adviser (Petrochemicals) & Project Officer out of which at least one year's service should be in the grade of Deputy Adviser (Petrochemicals) will also be considered along with the deputationists and if selected for appointment to the post, the post shall be deemed to have been filled by promotion.

Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held".

(Period of deputation/contract including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 5 years).

[No. A-12011/13/86/Estt.]

S.L. RAVIDAS, Under Secy.

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

नई दिल्ली, 8 जून, 1990

सा.का.नि. 382:—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 1985 (संख्या 1985 का 50) की धारा 17 (2) के अनुसार और धारा 25 (2) द्वारा इसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय का प्रबंध मंडल तद्वै अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में निम्नलिखित मंविधि बनाता है/हटाता है जिसके लिए कुलाध्यक्ष द्वारा सहमति प्रदान की गई है :

(क) संविधि 6 के बाद "6क प्रबंध मंडल" के रूप में निम्नलिखित जोड़ें :

6क प्रबंध मंडल

1. प्रबंध मंडल में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :

(i) कुलपति;

(ii) वरिष्ठतम सम-कुलपति;

(iii) विश्वविद्यालय के तीन कर्मचारी, जिनका नामांकन कुलपति द्वारा किया जाएगा, जिनमें से एक अध्ययन विद्यापीठों के निदेशकों में से होगा और अन्य दो शिक्षकों तथा विद्यापीठों के निदेशकों से भिन्न अन्य शैक्षिक कर्मचारीवृत्त से होंगे;

(iv) कुलाध्यक्ष द्वारा निम्नलिखित विशेषज्ञता क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी नहीं हैं, नामित किए जाएंगे :

(क) दो सुप्रसिद्ध शिक्षाविद;

(ख) अनौपचारिक/स्वैच्छिक क्षेत्रक से एक व्यक्ति;

(ग) वाणिज्य/उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला एक व्यक्ति; और

(घ) विद्वत् व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक व्यक्ति ।

(v) कुलाध्यक्ष द्वारा भारत सरकार के दो प्रतिनिधि; सचिव शिक्षा विभाग और सचिव, सूचना तथा प्रसारण संजालय नामित किए जाएंगे; और

(vi) निम्नलिखित में से प्रबंध मंडल द्वारा सहयोजित तीन व्यक्ति :

(क) राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों का एक कुलपति;

(ख) सुदूर शिक्षा विशेषज्ञ ; और

(ग) एक व्यक्ति जिसे मीडिया/संचार के क्षेत्रक, ज्ञान या इस क्षेत्र में अनुभव हो ।

(2) पदेन सदस्यों के अलावा प्रबंध मंडल के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा परन्तु विश्वविद्यालय से नामित/नियुक्त व्यक्तियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा ।

(3) प्रबंध मंडल के सदस्यों का कार्यकाल नियुक्ति या नामांकन, जैसी भी स्थिति हो, की तारीख से शुरू होगा ।

(4) मंडल की बैठक के लिए कोरम प्रबंध मंडल के छह सदस्यों से बनेगा ।

(ख) विद्यमान संविधि 8 छोड़ दी जाए

[सं. ए.डी. (जी)/एस.डी.-6ए/893]

के. नारायणन्,
कुलसचिव

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

New Delhi, the 8th June, 1990

G.S.R. 382.—In accordance with Section 17(2) and in exercise of the powers conferred on it by Section 25(2) of the IGNOU Act, 1985 (No. 50 of 1985), the Board of Management of the University makes/omits the following Statutes in the Second Schedule of the Act *ibid*; which have been assented to by the Visitor :—

(A) Add the following as "6A Board of Management" after Statute 6.

6A Board of Management

(1) The Board of Management shall consist of the following members, namely :

(i) Vice-Chancellor;

(ii) Senior most Pro Vice-Chancellor :

(iii) Three employees of the University who shall be nominated by the Vice-Chancellor, of which one shall be from the Directors of Schools of Studies and the other two from the teachers, and other academic staff other than the Directors of Schools;

(iv) Five persons, who are not employees of the University, to be nominated by the Visitor, representing the following areas of specialisation;

(a) Two eminent educationists;

(b) One person from the non-formal/voluntary sector;

(c) One person representing Commerce/Industry; and

(d) One person representing learned professions.

(v) Two representatives of the Government of India: Secretary, Department of Education and Secretary, Information and Broadcasting, to be nominated by the Visitor; and

(vi) Three persons to be co-opted by the Board of Management from among the following :

(a) A Vice-Chancellor of a State Open University;

(b) One expert on Distance Education; and

(c) One person who has knowledge of, or experience in, media/communication field.

(2) Members of the Board of Management, other than the ex-officio members, shall hold office for a term of three years. Provided, however, that persons nominated/appointed from the University shall hold office for a term of two years.

(3) The term of office of members of the Board of Management shall commence from the date of appointment, or nomination, as the case may be.

(4) Six members of the Board of Management shall form the quorum for a meeting of the Board.

(B) Existing Statute 8 be omitted.

[No. AD(G)/St. 6A/89]

K. NARAYANAN, Registrar

शहरी विकास मंत्रालय

(मुद्रण निदेशालय)

नई दिल्ली, 18 जून, 1990

सा.का.नि. 383:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त्रुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार मुद्रणालय (समूह “ग” और समूह “घ” औद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1987 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत सरकार मुद्रणालय (समूह “ग” और समूह “घ” औद्योगिक पद) (भर्ती) (दूसरा संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार मुद्रणालय (समूह “ग” और समूह “घ” औद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1987 की अनुसूची में—

(क) जिल्दसाजी सहायक के पद के सामने—

(i) स्तम्भ 11 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“1. 55 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा।

2. 45 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा।”

(ii) स्तम्भ 12 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“1. 50 प्रतिशत ऐसे श्रेणियों की प्रोन्नति द्वारा, जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है, किन्तु यह व्यवसायिक परीक्षण में अर्हता प्राप्त करने के अधीन रहते हुए होगा।

2. 5 प्रतिशत ऐसे दरवान, चौकादार फर्राश, सफाईवाला का प्रोन्नति द्वारा, जिन्होंने अपना-अपनी श्रेणियों में 3 वर्ष सेवा की है किन्तु यह व्यवसायिक परीक्षण में अर्हता प्राप्त करने के अधीन रहते हुए होगा। ऐसी प्रोन्नति, संबद्ध पदधारियों की सेवा का शर्तों में परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, उनकी विनिर्दिष्ट इच्छा ज्ञात करने के पश्चात् की जाएगी।”

प्रतिनियुक्ति:—भारत सरकार के अन्य मुद्रणालयों से जिल्द-साजी सहायक (प्रतिनियुक्ति/संबिदा की अवधि जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

(ख) आफसैट मशीनमैन के पद के सामने, स्तम्भ 11 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“फोटोलिथो मुद्रणालय की दशा में:

1. 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा।

2. 25 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा।

3. 25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा।

आधुनिकीकरण के अधीन लैटर प्रेस की दशा में: 100 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा।”

[फा. सं. 22/4/86-ए:-1/मुद्रण]

एम.एल. गोगिया, डैस्क अधिकारी

पाद टिप्पण:—मूल नियम भारत के राजपत्र भाग-ii, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सा.का.नि. 1010(अ) दिनांक 28-12-87 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चात् भर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए:—

क्र.सं. सा.का.नि.सं.

अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि

1. सा.का.नि. 161

17 मार्च, 1990

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Directorate of Printing)

New Delhi, the 18th June, 1990

G.S.R. 383.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India Presses (Group 'C' and Group 'D' Industrial posts) Recruitment Rules, 1987, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government of India Presses (Group 'C' and Group 'D' Industrial posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the schedule to the Government of India Presses (Group 'C' and Group 'D' Industrial posts) Recruitment Rules, 1987—

(a) against the post of Bindery Assistant —

(i) for the entry in column 11, the following entries shall be substituted, namely :—

- “1. 55% by promotion failing which by deputation.
2. 45% by direct recruitment failing which by promotion”.

(ii) for the entries in column 12, the following entries shall be substituted, namely :—

- “1. 50% by promotion of Labourers with 3 years' service in the grade subject to qualifying the Trade Test.

2. 5% by promotion of Darwan, Chwkidar, Farash, Safaiwala with 3 years' service in the respective grades subject to qualifying the trade test. Such promotion is to be made after obtaining the specific willingness of the officials concerned in view of the change in their service conditions.

Deputation:

Bindery Assistant from other Government of India Presses. Period of deputation/contract including the period of deputation/contract in other ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or other organisation/departments of the Central Government shall ordinarily not exceed three years.”;

(b) against the post of Offset Machineman, for the entry in column 11, the following entry shall be substituted, namely:

“In the case of Photolitho Press

1. 50% by promotion failing which by deputation.
2. 25% by direct recruitment failing which by pro-
3. 25% by transfer.

In the case of Letter Press under modernisation

100% by transfer”.

[F. No. 22/4/86-AI/Ptg.]

M. L. GOGIA, Desk Officer

Foot Note : The Principal Rules were published vide notification GSR No. 1610(E) dated the 28th December, 1987 in the Gazette of India, Part II Sec. 3 Sub-Sec. (1) and subsequently amended by :—

| S. No. | G.S.R. No. | Date of Publication of Notification |
|--------|-------------------|-------------------------------------|
| 1. | G.S.R. No. 161 N. | Date March 17, 1990 |
| | 22/4/86-AI/Ptg. | N w Delhi, the 18th June, 1990 |

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1990

सा.का.नि. 384—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण (केन्द्रीय सेवा, समूह “व”) भर्ती नियम, 1962 को, जहाँ तक उनका संबंध प्रयोगशाला परिचर के पद से है, उन बातों के सिवाय अधिकृत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग के अधीन भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण में प्रयोगशाला परिचर के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण (प्रयोगशाला परिचर-समूह “व”) भर्ती नियम 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावृद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

| पद का नाम | पदों की संख्या | वर्गीकरण | वेतनमान | चयन पद अथवा अचयन पद | सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा | सेवा में जोड़े हुए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं |
|------------------|---|---|---------------------------------|---------------------------|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| प्रयोगशाला परिचर | 56* (1990) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है। | साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" आराजपत्रित | 775-12-955-द. रो.-14-1025 द. | अचयन | 18 से 25 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिये शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)। टिप्पण: आयु-सीमा अवधारित करने के लिये निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिये नियत की गई अन्तिम तारीख होगी। ऐसे रोजगार कार्यालयों के माध्यम से नियुक्त किए जाने की दशा में आयु- सीमा अवधारित करने के लिये निर्णायक तारीख वह अन्तिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम भेजने के लिये कहा गया है। | नहीं |

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षिक और अन्य
अर्हताएं

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित परीक्षा की अवधि यदि कोई हो
आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की
दशा में लागू होंगी या नहीं

| 8 | 9 | 10 |
|--|------|---|
| (क) आवश्यक : (1) अंग्रेजी सहित मिडिल स्कूल उत्तीर्ण। (2) अधिकारियों और कर्मचारिवृन्द के साथ खेल ड्यूटी करने की योग्यता। (ख) बांछनीय :—हिंदी पढ़ने और लिखने की योग्यता। | नहीं | सीधी भर्ती किये गये व्यक्तियों के लिये दो वर्ष। |

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण
द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे
प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा

| 11 | 12 |
|----|----|
|----|----|

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति :

750-940 रुपये के वेतनमान में ऐसे चपरासी, प्रहरी, फराश और संदेशवाहक
जिनके पास अंग्रेजी सहित मिडिल स्कूल की शैक्षिक अर्हता है और
जिन्होंने अपनी नियुक्ति के पश्चात् संबंधित श्रेणी में तीन वर्ष नियमित
सेवा की हो।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति

लागू नहीं होता।

(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिये)

1. वैज्ञानिक एस-एफ (ज्येष्ठतम)—अध्यक्ष
2. ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य
3. समूह "ख" का ज्येष्ठतम अनुसूचित जाति का अधिकारी—सदस्य
4. प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य

[फा.सं. 2/60/89-सी.एस.जैड-]

जे.पी. लखेड़ा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

(Deptt. of Environment, Forests & Wildlife)

New Delhi, the 22nd March, 1990

G.S.R. 384 :—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Zoological Survey of India (Central Service Group 'D') Recruitment Rules, 1962, in so far as they relate to the post of Laboratory Attendant except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Laboratory Attendant in the Zoological Survey of India under the Department of Environment, Forests and Wildlife, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Zoological Survey of India (Laboratory Attendant—Group 'D') Recruitment Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concession required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

| Name of post | No. of post | Classification | Scale of pay |
|--|---|---|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| Laboratory Attendant | 56(1990)* *Subject to variation dependent on workload. | General Central Service' Group 'D', Non-Gazetted | Rs. 775-12-955-EB-14 1025. |
| | | | |
| Whether selection post or non-Selection post | Age limit for direct recruits | Whether benefit of added year of service admissible under Rule 30 of the Central civil Service (Pension) Rules, 1972. | |
| 5 | 6 | 7 | |
| Non-Selection | 18 to 25 years (upper age limit relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with instructions or orders issued by the Central Government). NOTE : the crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of the applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep. In the case of recruitment made through the employment exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the employment exchanges are asked to submit the names. | No. | |
| | | | |
| Educational and other qualifications required for direct recruits. | Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotes | Period of probation, if any | |
| 8 | 9 | 10 | |
| (a) Essential : | No. | Two years for direct recruits. | |
| (i) Middle School Pass with English. | | | |
| (ii) Ability to undertake field duties with officers and staff. | | | |
| (b) Desirable : | | | |
| Ability to read and write Hindi. | | | |

SCHEDULE

| | |
|---|---|
| Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods | In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made |
|---|---|

11

12

By promotion failing which by direct recruitment.

Promotion :

Peon, Watchman, Farash and Messenger in the scale of Rs. 750-940 possessing educational qualification of Middle School with English and with three years service in the respective grade after appointment thereto on regular basis.

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Departmental Promotion Committee :
(for considering case of promotion/confirmation).

Not applicable.

1. Scientist 'SF' (Seniormost)—Chairman.
2. Sr. Administrative Officer—Member.
3. Senior most Schedule Caste Officer of Group 'B'—Member.
4. Administrative Officer—Member.

[F. No. 2/60/89-CSZ]

J.P. LAKHERA, Desk Offices

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 जून, 1990

सा.का.वि. 385 :—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों के निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 14 द्वारा अपेक्षित रूप में ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर इस अधि सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त हों, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (..... संशोधन) नियम, 1990 है।

2. वायुयान नियम, 1937 में,—

(1) नियम 3 के उपनियम (1) के खण्ड (34क) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(34ख) “लघु भार वायुयान (एकल सीट वाला)” से ऐसा वायुयान अभिप्रेत है जिसकी खाली का वजन 150 किलोग्राम से अधिक न हो, और पंख क्षेत्र 10 वर्गमीटर से कम न हो और जो एक से अधिक व्यक्ति को ले जाने के लिए परिकल्पित हो ;

(34ग) “लघु भार वायुयान (दो सीट वाला)” से ऐसा वायुयान अभिप्रेत है जिसका खाली का वजन 185 किलोग्राम से अधिक न हो, पंख क्षेत्र 10 वर्गमीटर से कम न हो और जो दो व्यक्तियों से अधिक ले जाने के लिए परिकल्पित हो ;

(34घ) “लघु भार वायुयान” से लघु भार वायुयान (एकल सीट वाला) और लघु भार वायुयान (दो सीट वाला) अभिप्रेत है।”

(एकल सीट वाला) और लघु भार वायुयान (दो सीट वाला) अभिप्रेत है।”

(2) नियम 3 के उपनियम (1) के खण्ड (39) के पश्चात् खण्ड (39क) अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(39क) लघु भार वायुयान के संबंध में, “उड़ान के लिए अनुज्ञापत्र” के संबंध में, “उड़ान के लिए अनुज्ञापत्र” में इन नियमों के अनुसार लघु भार वायुयान की उड़ान प्राधिकृत करने वाला नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया दस्तावेज अभिहित है।”

(3) (क) विद्यमान नियम 15 को उपनियम (1) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा और इन प्रकार पुनर्संख्यांकित किए गए उपनियम (1) में “वायुयान को” शब्दों के पूर्व “लघु भार वायुयान” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे ;

(ख) इस प्रकार पुनर्संख्यांकित विद्यमान उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1) लघु भार वायुयान की उड़ान तब तक नहीं की जाएगी, जब, तब निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन नहीं कर दिया जाता है अर्थात् :—

(i) लघु भार वायुयान सिविल वायुयान रजिस्टर में रजिस्टर किया जाता है और उन न्यूनतम परिकल्पना अपेक्षाओं को पूरा करता है जो महानिदेशक सभारणता या विनियम आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट करे ;

(ii) लघु भार वायुयान नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया विधिमाम्य उड़ान अनुज्ञापत्र रखता हो, जिसमें प्रवर्तन का क्षेत्र और लघु भार वायुयान के एरोबेटिक लदान, इंजन और वायुयान गति से संबंधित संरचनात्मक परिसीमाएं विनिर्दिष्ट हो ;

(iii) लघु भार वायुयान में ऐसे औजार और उपस्कर लगे हों और ऐसी रीति से लगे हों जिसका इन नियमों के नियम 57 में उपबन्ध किया गया हो ; और

(iv) लघु भार वायुयान इन नियमों के नियम 60 के अनुसार अनु-रक्षण मानकों और प्रमाणन से संबंधित अपेक्षाओं का अनुपालन करता हो ।

(4) नियम 19 के उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3क) यदि कोई व्यक्ति लघु भार वायुयान के प्रवर्तन से संबंधित नियमों का उल्लंघन करता है या उनका पालन करने में असफल रहता है तो केन्द्रीय सरकार, इस नियमों के अन्तर्गत, प्रमाणपत्र, दिए गए, जारी किए गए या अनुमोदित किए गए प्रमाणपत्र या अनुज्ञप्ति, प्राधिकार और अनुमोदन को रद्द कर सकेगी ।”

(5) नियम 38 के खण्ड (ग), के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(ग) छात्र पाइलेट अनुज्ञप्ति (लघु भार वायुयान) ;

(घ) लघु भार वायुयान पाइलेट अनुज्ञप्ति ।”

(6) नियम 39क के उपनियम (3) के खण्ड (क) में “ग्राम्या-सिक अपराधी है या” शब्दों का लोप किया जाएगा ।

(7) नियम 39क के उपनियम (1) के खण्ड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(घ) ग्राम्यासिक अपराधी है या भारत में किसी न्यायालय द्वारा नैतिक अक्षमता अन्तर्भावित करने वाला किसी अपराध या ऐसे अपराध के लिए जो जघम्य अपराध है, दोषमिद्ध दहाराया गया है ;

(ङ) तात्किक जानकारी छिपा या गलत जानकारी के आधार पर अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त कर चुका है” ।

(8) नियम 19 के उपनियम (1) में निम्नलिखित उपबन्ध अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु इस उपनियम में अन्तर्लिखित कोई बात लघु भार वायुयान की दशा में लागू नहीं होगी ।”

(9) नियम 61 के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2क) नियम 61 के उपनियम (2) में अन्तर्लिखित किसी बात के होते हुए भी लघु भार वायुयान को इन नियमों के उपनियम (2) के यथास्थिति, प्रवर्ग क, प्रवर्ग ख, प्रवर्ग ग, प्रवर्ग घ और प्रवर्ग (घ) में अनुज्ञप्ति प्राप्त करने वाले किसी वायुयान इंजीनियर द्वारा प्रभावित किया जा सकेगा ।

(10) अनुसूचा 2 के अनुभाग फ के पश्चात् निम्नलिखित अनुभाग अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

अनुभाग ब

छात्र पाइलेट अनुज्ञप्ति

(लघु भार वायुयान)

1. अनुज्ञप्ति जारी की जाने के लिए अपेक्षाएं छात्र पाइलेट अनुज्ञप्ति (लघु भार वायुयान) के लिए आवेदक को निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करनी होगी :—

(क) आयु-आवेदन को तारीख को उपरोक्त आयु 17 वर्ष से कम नहीं होगी ।

(ख) चिकित्सीय योग्यता—वह, विहित प्राहप में, अनुमोदित चिकित्सा व्यवसायी से चिकित्सीय परीक्षा कराने के पश्चात् शारीरिक योग्यता का प्रमाण पत्र पेश करेगा, परीक्षा के दौरान उसे, महानिदेशक द्वारा नियम 39ख के अधीन अधिसूचित अपेक्षाओं के अनुपालन के आधार पर, अपनी चिकित्सीय योग्यता सिद्ध करनी होगी ।

(ग) ज्ञान—जब तक कि उसके पास उच्चतम दर्जे की पाइलेट अनुज्ञप्ति न हो या वह उस रीति में, जो महानिदेशक द्वारा अधिकृत की जाए, इस बात का साक्ष्य पेश करने के योग्य न हो कि वह निम्नलिखित विषयों से सुपरिचित है, उसे निम्न-लिखित विषयों में लिखित/मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी :—

(i) विमान विनियम—इसके अन्तर्गत उड़ान नियम और विमान यातायात नियंत्रण पद्धतियां और प्रक्रियाएं भी हैं जिनका संबंध मुख्यतः उड़ान नियमों के अधीन स्थानीय और देश के आरपार उड़ानों से है,

(ii) विमान दिक्कालन—विमान दिक्कालन के प्रारंभिक सिद्धान्त जिनके अन्तर्गत वैमानिकी मानकियां, चुम्बकीय दिक्कालन, सादा दिक्कालन उपकरणों और एहन उड़ान उतराई का प्रारंभिक ज्ञान भी है ;

(iii) विमान मौसम विज्ञान—

मौसम विज्ञान का प्रारंभिक ज्ञान ;

(iv) वायुयान और इंजन—जिसके अन्तर्गत विमान गति विज्ञान और उड़ान के सिद्धान्त, वायुयान, इंजन, उपकरण और संबंधित वर्ग और प्रकार के लघु भार वायुयान के प्रचालन को परिसीमाओं का प्रारंभिक ज्ञान भी है ।

(घ) सुरक्षा अनापत्ति—संबंधित राज्य पुलिस प्राधिकारियों से सुरक्षा अनापत्ति महा निदेशक द्वारा अभिप्राप्त की जाएगी।

2. विधिमाम्यता—विधिमाम्यता को अधिक अनुज्ञप्ति के जारी किए जाने या नवीकरण की तारीख से प्रारंभ होगी। अनुज्ञप्ति चिकित्सीय परीक्षा की तारीख से 12 मास से अधिक की अधिक के लिए विधिमाम्य होगी। वायुयान के उसी प्रवर्ग के लिए उच्चतर दर्जे को पाइलेट अनुज्ञप्ति प्राप्त कर लेने पर उक्त अनुज्ञप्ति व्यपगत हो जाएगी।

3. नवीकरण—अनुज्ञप्ति का नवीकरण उक्त अधिक के लिए किया जा सकेगा जो नई चिकित्सीय परीक्षा की तारीख से 12 मास से अधिक की न हो।

4. वायुयान रेटिंग—अनुज्ञप्ति में लघुभार वायुयान का वह वर्ग और प्रकार उपर्युक्त होगा जिसके उड्डयन का हकदार धारक है। केवल उसी प्रकार के वायुयानों को दर्ज किया जा सकेगा जिनके संबंध में अभ्यर्थी ने पैरा 1(घ) में वर्णित वायुयान और इंजनों को परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है :

5. विशेषाधिकार—अनुज्ञप्ति में पृष्ठांकनों और रेटिंग की विधिमाम्यता के अधीन रहते हुए, छात्र पाइलेट अनुज्ञप्ति (लघुभार वायुयान) का धारक अपनी अनुज्ञप्ति के वायुयान रेटिंग में दर्ज किया लघुभार वायुयान के समावेशन पाइलेट के रूप में केवल भारतीय राज्य क्षेत्र में उड्डयन का हकदार है :

परन्तु—

(क) वह सभी समयों पर उड़ान अनुदेशक या अनुमोदित परीक्षक के प्राधिकार और पर्यवेक्षण के अधीन उड्डयन करेगा,

(ख) वह केवल दृश्य उड़ान नियमों के अधीन उड्डयन करेगा,

(ग) वह यात्रियों, पशुओं और माल का वहन नहीं करेगा अथवा किसी किस्म के अकस्मिक, पारिवारिक या पारिश्रमिक के लिए उड्डयन नहीं करेगा,

(घ) वह, जब तक कि उसे लघुभार वायुयान पर न्यूनतम 5 घंटों का एकल उड़ानकाल का अनुभव न हो और उसने पैरा 1 के खंड (ग) के उपखंड (ii) और (iii) में वर्णित परीक्षाएं उत्तीर्ण न कर ली हों, देश के आरपार उड़ानें नहीं करेगा।

टिप्पण : इस अनुभाग में देश के आरपार उड़ान से उस बिन्दु तक की उड़ान अभिप्रेत है जो प्रस्थान के विमान क्षेत्र से 15 नाटिकल मील के अर्धव्यास से परे तक हो।

अनुभाग 'अ'

लघुभार वायुयान पाइलेट अनुज्ञप्ति

1. अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए अपेक्षाएं—लघुभार वायुयान पाइलेट अनुज्ञप्ति के लिए आवेदक को निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करनी होगी :—

(क) आयु—अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन की तारीख को उसकी आयु 17 वर्ष से कम नहीं होगी।

(ख) चिकित्सीय योग्यता—वह, विहित प्ररूप में, अनुमोदित चिकित्सा व्यवसायी से परीक्षा कराने के पश्चात शारीरिक योग्यता का प्रमाणपत्र पेश करेगा। परीक्षा के दौरान उसे महानिदेशक द्वारा नियम 39ख के अधीन अधिस्तुतित अपेक्षाओं के अनुपालन के आधार पर अपनी चिकित्सीय योग्यता सिद्ध करनी होगी।

(ग) ज्ञान—उसे निम्नलिखित विषयों में लिखित मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी :—

(i) विमान विनियम इसके अंतर्गत उड़ान नियम, विमान यातायात नियंत्रण पद्धतियाँ और प्रक्रियाएँ और प्राइवेट वायुयान के प्रचालन से संबंधित विनियम भी हैं ;

(ii) विमान दिक्चालन विमान दिक्चालन के प्रारंभिक सिद्धांत जिसके अंतर्गत वैमानिकी मानचित्रों और चाटों, समय, चुम्बकीय, दिक्सूचको, सादा दिक्चालन उपकरणों, लघुभार वायुयान में लगे हुए रेडियो सहायकों दृश्य मार्ग दिक्चालन का प्रारंभिक ज्ञान और उपयोग भी हैं ;

(iii) विमान मौसम विज्ञान—प्रारंभिक विमान मौसम विज्ञान जिसके अंतर्गत विमान क्षेत्र मौसम विज्ञान विषयक प्रेक्षणों और चेतनवर्तियों का महत्व मौसम विज्ञान विषयक चाटों के निर्वाचन और देश के आरपार उड़ानों से संबंधित मौसम विज्ञान विषयक प्रक्रियाओं का प्रारंभिक ज्ञान तथा भारतीय जलवायु विज्ञान के प्रमुख स्वरूप; लघुभार वायुयान के चलाने पर बात घटकों सहित मौसम परीसीमाएं भी हैं ;

(4) वायुयान और इंजिन—इसके अंतर्गत विमान गति विज्ञान और उड़ान के सिद्धांत, वायुयान इंजिन, उपकरण, प्रचालन परीसीमाएं, हथेलना, सतर्कता और उड़ान पूर्व निरीक्षण का प्रारंभिक ज्ञान भी है। परीक्षा के अंतर्गत वे प्रश्न ही होंगे जिनका संबंध इस वर्ग के लघुभार वायुयान और प्रकार से है जिसके लिए वायुयान रेटिंग वांछित है।

(घ) सुरक्षा अनापत्ति—संबंधित राज्य पुलिस प्राधिकारियों से सुरक्षा अनापत्ति महानिदेशक द्वारा अभिप्राप्त की जाएगी।

(ङ) अनुभव—आवेदक लघुभार वायुयान पर उड़ान काल के कम से कम 30 घंटे पूरे करने का माध्यम पेश करेगा, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित भी होंगे :—

(i) एकल उड़ान काल के कम से कम 15 घंटे जिनमें से कम से कम 10 घंटे आवेदन की तारीख के पूर्ववर्ती बारह मास के भीतर पूरे किए गए हों ;

(ii) लघुभार वायुयान के एकल अधिभागी के रूप में 5 घंटों से अन्यून का देश के आरपार उड़ान काल, इसके अंतर्गत प्रस्थान के स्थल से 40 नाटिकल मील से अन्यून दूरी की उड़ान और उपयुक्त विमान क्षेत्र या प्रस्थान के विमान क्षेत्र से भिन्न अवतरण भूमि पर कम से कम एक पूर्ण विरामयुक्त अवतरण भी है ;

टिप्पण : 1. इस धारा में देश के आरपार उड़ान से उस बिन्दु तक की उड़ान अभिप्रेत है जो प्रस्थान के विमान क्षेत्र के 15 नाटिकल मील के अर्धव्यास से परे तक हो।

2. समावेशन पाइलेट के रूप में कम से कम ग्लाइडर उड़ान के 50 घंटे वाले ग्लाइडर पाइलेट अनुज्ञप्ति धारण करने वाले पाइलेटों की दशा में अनुभव अपेक्षाएं देश के आरपार उड़ान काल के लिए अपेक्षाओं को छोड़कर 50 प्रतिशत कम कर दी जाएगी। ऐसे अनुज्ञप्ति धारण करने वाले पाइलेटों को विमान विनियमों और विमान मौसम विज्ञान में परीक्षा से छूट प्राप्त होगी।

3. जालू प्राइवेट पाइलेट अनुज्ञप्ति (विमान) के या उच्चतर प्रवर्ग की अनुज्ञप्ति के धारक से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह कम से कम 3 एकल उड़ान भरने और अवतरण करने के साथ सुपरिचित उड़ानें भरे।

4. अधिकतम 10 घंटे के अधीन रहते हुए, आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती 24 मास के दौरान अर्जित एकल उड़ान अनुभव के 50 प्रतिशत का अन्य पाइलट अनुभूतियों (विमान) के लिए अपेक्षित कुल उड़ान अनुभव से जोड़ा जा सकेगा।

(च) कौशल—ऐसे आवेदक की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती 6 मास की अवधि में उसे इस प्रकार के लघुभार वायुयान पर, जिससे अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन संबंध है, विहित उड्डयन परीक्षण देकर अनुमोदित परीक्षक को संतोषप्रद रूप से अपनी सक्षमता सिद्ध करनी होगी।

उड्डयन परीक्षण के अंतर्गत लघुभार वायुयानों का उड़ान पूर्व निरीक्षण और भूमि स्थिति में हवाला, उड़ान भरना, गतिरोधन, परिक्रमण और पूर्ववस्था प्राप्त करना, चढ़ना और साधारण उड्डयन, अवरोहण और स्लाइड करना, अवतरण और आपतकालीन अभ्यास जिसके अंतर्गत उड़ान भरते समय अनुरूप इंजन अवरोध आदि भी हैं।

टिप्पण : गतिरोधन और परिक्रमण महानिदेशक द्वारा अनुमोदित प्रकार के लघुभार वायुयान पर और उसके द्वारा अधिकतम न्यूनतम ऊंचाई से ही किए जाएंगे।

2. विधिमाम्यता—विधिमाम्यता की अवधि अनुज्ञप्ति के जारी करने या नवीकरण की तारीख से प्रारंभ होगी। यदि आवेदक 38 वर्ष से कम आयु का हो तो अनुज्ञप्ति चिकित्सीय परीक्षा की तारीख से कम से कम 24 मास की अवधि के लिए और यदि आवेदक 38 वर्ष या उससे ऊपर की आयु का है, तो चिकित्सीय परीक्षा की तारीख से 12 मास से अधिक की अवधि के लिए विधिमाम्य होगी किन्तु जहाँ आवेदक की चिकित्सीय परीक्षा उसकी अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती 30 दिन में की जाती है वहाँ विधिमाम्यता की पूर्ण अवधि, जो लागू हो, अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख से अनुज्ञात की जा सकेगी।

3. नवीकरण—आवेदक से इस आशय के संतोषजनक साक्ष्य की प्राप्ति पर अनुज्ञप्ति का नवीकरण किया जा सकेगा कि—

(क) वह पैरा 1 के खंड (ख) के अनुसार चिकित्सीय परीक्षा कर चुका है।

(घ) उसने नवीकरण के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती 12 मास की अवधि में मंपादक पाइलट के रूप में 5 घंटे से अथवा उड़ानकाल संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया है या उसके बदले में आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास के भीतर विहित उड्डयन परीक्षणों को उसी अवधि में संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया है।

4. वायुयान रेटिंग—अनुज्ञप्ति में लघुभार वायुयान का वह वर्ग और प्रकार उपदर्शित होगा जिसके उड्डयन का हकदार धारक है। लघुभार वायुयान के उन सभी परम्परागत प्रकारों का खुला रेटिंग भी ऐसे लघुभार वायुयान पाइलट को मंजूर किया जा सकेगा जिसने समादेशक पाइलट के रूप में उड़ान के कम से कम 100 घंटे लघुभार वायुयान पर पूरे कर लिए हों।

5. रेटिंग का विस्तार—वायुयान रेटिंग के विस्तार के लिए जिसके अंतर्गत लघुभार वायुयान का कोई अतिरिक्त प्रकार भी है, आवेदक से अपेक्षा की जाएगी कि वह पैरा (1) के खंड (घ) में वर्णित रूप में, वायुयान और इंजनों में मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने और उस प्रकार लघुभार वायुयान के संबंध में, जिसके लिए वायुयान रेटिंग वांछित है, विहित उड्डयन परीक्षा संतोषजनक रूप से उत्तीर्ण कर लेने का साक्ष्य पेश करे। यह उड्डयन परीक्षा वायुयान रेटिंग के विस्तार के लिए आवेदक की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि में पूरे किए गए होंगे।

6. विशेषाधिकार—अनुज्ञप्ति में पृष्ठांकनों और रेटिंग की विधिमाम्यता के अधीन रहते हुए, लघुभार वायुयान पाइलट अनुज्ञप्ति के धारक का

विशेषाधिकार किसी ऐसे लघुभार वायुयान के जो दृश्य उड़ान नियमों अधीन अनुज्ञप्ति के वायुयान रेटिंग में प्रविष्ट किया गया है, समादेशक पाइलट के रूप में कार्य करने का होगा।

[फा. सं. ए. को-11013/4/99 - ए]

पाद टिप्पण

मूल नियम दिनांक 27 मार्च, 1937 के भारत के राजपत्र के भाग 1 में दिनांक 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या को-26 में प्रकाशित किये गये थे।

तत्पश्चात् इनको निम्न प्रकार संशोधित किया गया था :—

- (1) सा. का. नि. 1296 दिनांक 20 नवम्बर, 1962 ;
- (2) सा. का. नि. 1347 दिनांक 27 नवम्बर, 1973 ;
- (3) सा. का. नि. 1238 दिनांक 8 नवम्बर, 1962 ;
- (4) सा. का. नि. 711 दिनांक 3 मई, 1965 ;
- (5) सा. का. नि. 1202 दिनांक 23 जुनई, 1976 ;
- (6) सा. का. नि. 1739 दिनांक 26 नवम्बर, 1976 ;
- (7) सा. का. नि. 1118 दिनांक 5 अगस्त, 1977, जिसे सा. का. नि. 2197 दिनांक 29 सितम्बर, 1980 से ठीक किया गया था।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th June, 1990

G.S.R. 385.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act for information of all persons likely to be allowed thereby and notice is hereby given that the draft rules will be taken into consideration after expiry of the period of 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 1990.

2. In the Aircraft Rules, 1937,—

(1) After clause (34A) of sub-rule (1) of rule 3, the following clauses shall be inserted, namely :—

“(34B) “Microlight Aircraft (single seater)” means an aircraft having an empty weight not exceeding 150 Kg. a wing area of not less than 10 sq. metres and which is designed to carry not more than one person;

(34C) “Microlight Aircraft (two seater)” means an aircraft having an empty weight not exceeding 185 Kg. a wing area of not less than 10 sq. metres and which is designed to carry not more than two persons;

(34D) “Microlight Aircraft” means Microlight Aircraft (single seater) and Microlight Aircraft (two seater).”

(2) After clause (39) of sub-rule (1) of rule 3, clause (39A) shall be inserted, namely :—

“(39A) ‘Permit to Fly’, in relation to microlight aircraft means a document issued by the Director

General of Civil Aviation authorising the flight of a microlight aircraft in accordance with these rules."

- (3) (a) The existing rule 15 shall be renumbered as sub-rule (1) and in sub-rule (1) so renumbered, after the words "No aircraft", the words "other than the Microlight Aircraft", shall be inserted;

- (b) After the existing sub-rule (1) so renumbered the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(2) No Microlight Aircraft shall be flown unless the following conditions are complied with, namely :—

- (i) The Microlight Aircraft is registered in the Civil Aircraft Register and meets the minimum design requirements which the Director General may specify by general or special order;

- (ii) The Microlight aircraft possesses a valid Permit to Fly issued by the DGCA, specifying the area of operation and the structural limitations relating to aerobatics, loading, engine and airspeed of the microlight aircraft;

- (iii) The Microlight aircraft is fitted with such instruments and equipments and in such manner as are provided in rule 57 of these rules; and

- (iv) The Microlight aircraft complies with the requirements relating to maintenance standards and certification in accordance with rule 60 of these rules."

- (4) After sub-rule (3) of rule 19, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(3A) Where any person contravenes or fails to comply with the rules relating to the operation of Microlight Aircraft, the Central Government may cancel the certificate, rating or licence, authorization and approval granted, issued, authorised or approved, as the case may be under these rules."

- (5) After clause (c) of rule 38, the following clauses shall be inserted, namely :—

"(p) Student Pilot's Licence (Microlight Aircraft)
(q) Microlight Aircraft Pilot's Licence."

- (6) In clause (a) of sub-rule (1) of rule 39A, the words "is a habitual criminal or" shall be omitted

- (7) After clause (c) of sub-rule (1) of rule 39A the following clauses shall be inserted, namely :—

"(d) is a habitual criminal or has been convicted by a Court in India for an offence involving moral turpitude or an offence which amounts to heinous crime

(e) has obtained the licence by suppression of material information or on the basis of wrong information."

- (8) In sub-rule (1) of rule 19, the following provision shall be inserted, namely :—

"Provided that nothing contained in this sub-rule shall apply in case of Microlight Aircraft."

- (9) After sub-rule (2) of rule 61, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(2A) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) of rule 61, the microlight aircraft may be certified by any Aircraft Maintenance Engineer holding a licence in category A, category B, category C, category D and category X, as the case may be, of sub-rule (2) of this rule."

- (10) After section V of Schedule II, the following sections shall be inserted, namely :—

"SECTION W

STUDENTS PILOT'S LICENCE

(MICROLIGHT AIRCRAFT)

1. Requirements for the issue of licence.—An applicant for a Student Pilot's Licence (Microlight Aircraft) shall satisfy the following requirements :—

- (a) Age.—He shall not be less than 17 years of age on the date of application.

- (b) Medical Fitness.—He shall produce on prescribed proforma a certificate of physical fitness from an approved medical practitioner after undergoing a medical examination, during which he shall have established his medical fitness on the basis of compliance with the requirements as notified by the Director General under rule 39B.

- (c) Knowledge.—He shall pass a written/oral examination in the following subjects unless he has held a Pilot's Licence of a higher order, or is able to produce evidence in the manner laid down by the Director-General that he is conversant with the following subjects :—

- (i) Air Regulations.—including flight rules, air traffic control practices and procedures mainly pertaining to local and cross-country flights under Visual Flight Rules;

- (ii) Air Navigation.—Elementary principles of Air Navigation, including elementary knowledge of aeronautical maps, magnetism, magnetic compasses, simple navigational instruments and single flight landing;

- (iii) Aviation Meteorology.—Elementary knowledge of Meteorology;

- (iv) Aircraft and Engines.—including elementary knowledge of aerodynamic and theory of flight, aircraft engines, instrument, operating limitations pertaining to the class and the type of microlight aircraft concerned.

- (d) Security Clearance.—Security clearance from the concerned State Police authorities will be obtained by the Director-General.

2. Validity.—The period of validity shall commence from the date of issue or renewal of the licence. The licence shall be valid for a period not exceeding 12 months from the date of medical examination. The licence shall lapse on the holder obtaining Pilot's licence of a higher order for the same category of aircraft.

3. Renewal.—The licence may be renewed for a period not exceeding 12 months from the date of a fresh medical examination.

4. Aircraft Rating.—The licence shall indicate the class and the type of microlight aircraft the holder entitled to fly. Only those types of microlight aircraft may be entered in respect of which the candidate has passed the examination in aircraft and engines mentioned in paragraph 1(d).

5. Privileges.—Subject to the validity of endorsements and ratings in the licence, the holder of a Student Pilot's Licence (Microlight Aircraft) is entitled to fly within Indian territory only as Pilot-in-Command of any microlight aircraft, entered in the aircraft rating of his licence, provided that :—

- (a) He shall fly at all times under the authority and supervision of a Flight Instructor or an Approved Examiner;

- (b) He shall fly under Visual Rules only;

- (c) He shall not carry passengers, animals and goods or fly for hire, reward or remuneration of any kind;

- (d) He shall not undertake cross-country flights unless he has a minimum of 5 hours of solo flight time on one microlight aircraft and has passed the examinations mentioned in sub-clauses (ii) and (iii) of clause (d) of paragraph 1.

NOTE.—Cross country flight in this Section means a flight to a point beyond a radius of 15 nautical miles from the aerodrome of departure.

SECTION X

MICROLIGHT AIRCRAFT PILOT'S LICENCE

1. Requirements for the issue of licence.—An applicant for the issue of Microlight Aircraft Pilot's Licence shall satisfy the following requirements :—

- (a) Age.—He shall not be less than 17 years of age on the date of application for the licence;
- (b) Medical Fitness.—He shall produce on the prescribed proforma a certificate of physical fitness from an approved medical practitioner after undergoing a medical examination during which he shall have established his medical fitness, on the basis of compliance with the requirements as notified by the Director General under rule 39B;
- (c) Knowledge.—He shall pass a written/oral examination in the following subjects :—
 - (i) Air Regulations.—including flight rules, air traffic control practices and procedures and regulations concerning operation of private aircraft;
 - (ii) Air Navigation.—Elementary principles, including elementary knowledge and use of aeronautical maps and charts, time, magnetic compasses, simple navigational instruments, radio aids fitted in the microlight aircraft and visual navigation;
 - (iii) Aviation Meteorology.—Elementary aviation meteorology including significance of aerodrome meteorological observations and warning; elementary knowledge in reading meteorological charts and of meteorological procedures relating to cross-country flights; salient features of Indian climatology; weather limitations including wind components or the operation of microlight aircraft;
 - (iv) Aircraft and Engines.—including elementary knowledge of aerodynamics and theory of flight, aircraft, engines, instruments, operating limitations, handling, care and preflight inspection. The examination shall also include questions pertaining to the class and the type of microlight aircraft for which microlight rating is desired.
- (d) Security Clearance.—Security clearance from the concerned State Police authorities will be obtained by the Director General;
- (e) Experience.—The applicant should produce evidence of having completed not less than 30 hours of flight time on microlight aircraft, which shall include :—
 - (i) not less than 15 hours solo flying out of which not less than 10 hours shall have been done within the preceding 12 months of the date of application;
 - (ii) not less than 5 hours of cross-country flight time as the sole occupant of the microlight aircraft including a flight over a distance of not less than 40 nautical miles from the point of departure and at least one full stop landing at a suitable aerodrome or landing ground other than the aerodrome of departure

NOTE.—1. Cross-country flight in this section means a flight to a point beyond a radius of 15 nautical miles from the aerodrome of departure;

2. In case of pilots holding a current Glider Pilot's Licence with at least 50 hours of glider flying as Pilot-in-Command the experience requirement shall be reduced by 50 percent except the requirements for cross-country flights. Pilots holding such licence shall also be exempt from examination in Air Regulations and Meteorology;

3. The holder of a current Private Pilot's Licence (aeroplanes) or higher category of licences shall be required to carry out familiarisation flights of not less than three solo take-offs and landings;

4. 50 percent solo flying experience acquired during the preceding 24 months from the date of application subject to maximum of 10 hours, may be credited towards the total flying experience required for other Pilot's licence (aeroplanes).

(f) Skill.—He shall have demonstrated the competency to the satisfaction of an Approved Examiner by undergoing the prescribed flying tests on the type of microlight aircraft, to which the application for licence relates, within a period of six months immediately preceding the date of such application.

The flying test shall include preflight inspection and ground handling of microlight aircraft, take-offs, climb and general flying; descent and glide; stalling; spinning and recovery; landing and emergency manoeuvres including simulated engine failure on take-off etc.

NOTE.—Stalling and spinning, shall be carried out only on the types of microlight aircraft approved and from the minimum altitude laid down by the Director General.

2. Validity.—The period of validity shall commence from the date of issue or renewal of the licence. The licence from be valid for a period of not less than 24 months from the date of medical examination, if the applicant is below 38 years of age; not exceeding 12 months from the date of medical examination, if the applicant is of 38 years of age or above, except where an applicant is medically examined for the renewal of this licence during 30 days immediately preceding the date of expiry of the licence, full period of validity, as applicable may be allowed from the date of expiry.

3. Renewal.—The licence may be renewed on receipt of satisfactory evidence of the applicant—

- (a) having undergone a medical examination in accordance with clause (a) of paragraph 1;
- (b) having satisfactorily completed not less than 5 hours of flight time as Pilot-in-Command within a period of 12 months immediately preceding the date of application for renewal or in lieu thereof, having satisfactorily completed the prescribed flying tests within six months immediately preceding the date of application.

4. Aircraft Rating.—The licence shall indicate the class and type of microlight aircraft the holder is entitled to fly. An open rating for all conventional types of microlight aircraft may also be granted to a Microlight Aircraft Pilot who has satisfactorily completed on a microlight aircraft not less than 100 hours of flight time as Pilot-in-Command.

5. Extension of Rating.—For extension of Aircraft Rating, which includes an additional type of microlight aircraft an applicant shall be required to produce evidence of having passed oral examination in the aircraft and engines, as mentioned in clause (d) of paragraph (1) and of having satisfactorily completed the prescribed flying tests in respect of the type of microlight aircraft for which the aircraft rating is desired. The flying tests shall have been completed within a period of 6 months immediately preceding the date of application for extension of the Aircraft Rating.

6. Privileges.—Subject to the validity of endorsement and ratings in the licence, the privileges of the holder of a Microlight Aircraft Pilot's Licence shall be to act as Pilot-in-Command of any microlight aircraft which is entered in the Aircraft Rating of licence under Visual Flight Rules."

[F. No. AV-11012/4/88-A]

FOOT NOTE

The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937 in the Gazette of India Part I dated 27th March, 1937.

Subsequently, amended by :

- (i) GSR 1296 dated 20th September, 1962;
- (ii) GSR 1347 dated 27th November, 1973;
- (iii) GSR 1238 dated 8th September, 1962;
- (iv) GSR 711 dated 3rd May, 1965;
- (v) GSR 1202 dated 23rd July, 1976;
- (vi) GSR 1739 dated 26th November, 1976;
- (vii) GSR 1118 dated 5th August, 1977 as corrected by GSR 2197 dated 29th September, 1980

नई दिल्ली, 11 जून, 1990

सा. का.नि.386—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 14 के अधीन अपेक्षित रूप में ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से, जिसका इस अधि सूचना के प्रकाशन वाले राजपत्र की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं, पञ्चाशीर दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 1990 है।
2. वायुयान नियम, 1937 में, नियम 62 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
- "62. फीस—(1) इस भाग द्वारा अपेक्षित प्रकार प्रमाणपत्र के जारी करने या विधिमान्यकरण, उद्भूत योग्यता प्रमाणपत्र के नवीकरण या विधिमान्यकरण, अनुज्ञप्ति या प्राधिकार के जारी करने, उसके नवीकरण या उसके विस्तार में उपांतरण की बाबत निम्नलिखित फीसें संदेय होंगी :—
- क : नियम 49 के अधीन प्रकार प्रमाणपत्र का जारी करना :
- (i) 1000 किलोग्राम ए यू डब्ल्यू तक के ग्लाइडर और सेल लेन 10,000.00 रुपए
- (ii) 1,500 किलोग्राम ए यू डब्ल्यू तक का हल्का वायुयान और स्वप्रचालन ग्लाइडर 15,000.00 रुपए
- (iii) 1,501 किलोग्राम से 5,700 किलोग्राम ए यू डब्ल्यू तक का वायुयान 15,000.00 रुपए और 5,700 किलोग्राम से अधिक प्रत्येक का 10 किलोग्राम या उसके भाग के लिए 50.00 रु।
- (iv) 5,700 किलोग्राम ए यू डब्ल्यू से अधिक का वायुयान 50,000.00 रु, और 5,700 किलोग्राम से अधिक प्रत्येक 1,000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए 5,000 रुपए।
- (v) इंजन :
 - (क) व्यतिकारी 200.00 रुपए प्रति हार्स पावर
 - (ख) टर्बो प्राप 250.00 रुपए प्रति एस हार्स पावर
 - (ग) टर्बो जेट थ्रस्ट के 25.00 प्रति किलोग्राम
- (vi) हैलीकप्टर प्रभार उस फीस से, जो तत्स्थानी भार प्रवर्गों में वायुयान के लिए प्रभारित की जाती है, 20 प्रतिशत अधिक होंगे।
- (vii) वायुयान संघटकों, उपस्करों और उपकरणों आदि के संबंध में प्रकार प्रमाणपत्र, जब व्यक्तिगत रूप से कार्यवाही की जाए। 5,000.00 रु. प्रत्येक के लिए।

ख. नियम 49ख के अधीन प्रकार प्रमाणपत्र का विधिमाम्यकरण

(I) वायुयान का आयात :

प्रकार प्रमाणपत्र के विधिमाम्यकरण के लिए फीस 5,000 रु. अथवा प्रकार प्रमाणपत्र के जारी करने के लिए संदेय फीस की 25 प्रतिशत, जो भी उच्चतर हो, होगी।

(II) अनुज्ञप्ति प्राप्त उत्पादन :

प्रकार प्रमाणपत्र के विधिमाम्यकरण के लिए फीस प्रकार प्रमाणपत्र के जारी करने के लिए संदेय फीस की 50% होगी।

ग. नियम 50 के अधीन उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र का जारी करना, नवीकरण या विधिमाम्यकरण :

(I) 1000 कि. ग्रा. या उससे कम अधिकतम अनुज्ञेय भार रखने वाले किसी वायुयान के लिए 200.00 रु.

(II) 1000 कि. ग्रा. अधिकतम अनुज्ञेय भार से अधिक प्रत्येक 100 कि. ग्रा. या उसके भार के लिए 10.00 रु.

(III) उड्डयन योग्यता प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति का जारी करना। 100.00 रु.

नियम 61 के अधीन एएम ई/एआरएम ई/जीएम ई के संबंध में अनुज्ञप्ति अथवा प्राधिकार का जारी करना, नवीकरण करना अथवा उसके विस्तार में उपांतरण करना

(I) प्रत्येक प्रवर्ग की अनुज्ञप्ति के लिए किसी अनुज्ञप्ति के जारी या नवीकरण या उसके क्षेत्र में उपांतरण करने के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा और प्रकार पृष्ठांकन प्राधिकार अनुमादन के लिए 100.00 रु.

(II) अनुज्ञप्ति का जारी, नवीकरण करना या दूसरी प्रति का जारी करना। 100.00 रु.

(2) सारी फीस का संदाय महानिदेशक, नागर विमानन के पक्ष में लिखे गए क्रास भारतीय पोस्टल ऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा

(3) जहां किसी कारण से कोई अनुज्ञप्ति या प्राधिकार या प्रमाणपत्र, यथास्थिति, जारी नहीं किया जाता है, स्वीकृत नहीं किया जाता है या उसका विधिमाम्यकरण नहीं किया जाता है वहां महानिदेशक आवेदक को संदत्त की गई फीस के ए से प्रभाग का प्रतिशोध कर सकेगा जो न ली गई परीक्षा या न लिए गए परीक्षण या न किए गए निरीक्षण अथवा जारी नवीकृत या विधिमाम्यकरण की गई/किए गए अनुज्ञप्ति/अनुज्ञप्ति या किसी प्रमाणपत्र की लागत जताना हो।

[फा सं. ए.वी. 11012/1/88-ए]

ओ. पी. अग्रवाल, अवर सचिव

पाद-टिप्पणी

मूल नियम दिनांक 27 मार्च, 1937 के भारत के राजपत्र के भाग II में 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या बी-26 के तहत प्रकाशित किए गए थे।

बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया था ;

दिनांक 30 सितम्बर 1982 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित 18 सितम्बर, 1972 का.जी.एस.आर. 1232;

दिनांक 13 सितम्बर, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 26 अगस्त, 1975 का.जी.एस.आर. 2387।

New Delhi, the 11th June, 1990

G.S.R. 386 :—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required under Section 14 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after a period of 45 days from the date on which the Gazette copies containing the publication of this notification are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called Aircraft (Amendment) Rules, 1990.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for rule 62, the following rule shall be substituted, namely:—

“62 Fees:—(1) The following fees shall be payable for issue or validation of Type Certificate renewal or validation of Certificate of Airworthiness and issue, renewal or modification in the scope of licence or authorisation required by this part:

A. Issue of Type Certificate under rule 49A:

- | | |
|---|---|
| (i) Gliders and Sailplanes upto 1,000 kgs. AUW. | Rs. 10,000.00 |
| (ii) Light aircraft and self-launching gliders upto 1,500 kgs. AUW. | Rs. 15,000.00 |
| (iii) Aircraft from 1,501 kgs to 5,700 kgs. AUW. | Rs. 15,000.00 plus Rs. 50.00 for every 10 kgs. or part thereof above 1,500 kgs. |
| (iv) Aircraft above 5,700 kgs. AUW. | Rs. 50,000.00 plus Rs. 5,000 for every 1,000 kgs. or part thereof above 5,700 kgs. |
| (v) Engines: | |
| (a) Reciprocating | Rs. 200.00 per H.P. |
| (b) Turbo Prop. | Rs. 250.00 per S.H.P. |
| (c) Turbo jet | Rs. 25.00 per kg of thrust |
| (vi) Helicopter | The charges will be 20% over and above the fee charged for aircraft in the corresponding weight categories. |
| (vii) Type Certificate in respect of aircraft components, equipment and instruments etc. when processed individually. | Rs. 5,000.00 each. |

B. Validation of Type Certificate under rule 49B:

(i) Import of Aircraft:

The fee for validation of type certificate shall be Rs. 5,000 or 25% of the fee payable for issue of Type Certificate, whichever is higher.

(ii) Licensed production:

The fee for validation of Type Certificate shall be 50% of the fee payable for issue of Type Certificate.

C. Issue, renewal or validation of Certificate of Airworthiness under rule 50:

- | | |
|--|------------|
| (i) For an aircraft having maximum permissible weight of 1,000 kgs. or less. | Rs. 200.00 |
| (ii) For every 100 kgs. or a part thereof above the maximum permissible weight of 1,000 kgs. | Rs. 10.00 |

(iii) Issue of duplicate Certificate of Airworthiness Rs. 100.00

D. Issue renewal or modification in scope of licence or authorisation in respect of AME/ARME/GME under rule 61 :

(i) For each category of licence examination to be held Rs. 100.00
for issue or renewal or modification in scope
of a licence and type endorsement/authorisation
approval.

(ii) Issue/renewal or issue of duplicate licence Rs. 100.00

3. All fees shall be paid by crossed Indian postal order or Bank Draft, drawn in favour of Dir. General of Civil Aviation.

4. Where for any reason, the licence or authorisation or certificate, is not issued, renewed or validated, as the case may be, the Director General may refund to the applicant such portion of the fees paid as represents the cost of any examination or test or inspection not carried out or any licence, authorisation or a certificate not issued or renewed or validated, as the case may be."

[F.No. AV. 11012/1/88-A]
O.P. AGGARWAL, Under Secy.

FOOT NOTE :

The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March, 1937 in the Gazette of India Part I, dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by:

GSR 1232 dated 18th September, 1972 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 30th September, 1972 of the Gazette of India.

GSR 2387 dated 26th August, 1975 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 13th September, 1975 of the Gazette of India.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्)
नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

सा.का.नि. 387.—अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1987 (1987 का 52) 14(iv) और 23 (ii) (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् एतद्वारा 18 अप्रैल, 1990 में कलकत्ता में अपने कार्यालय सहित पूर्वी क्षेत्रीय समिति संस्थापित करती है। पूर्वी क्षेत्रीय समिति की संरचना, कार्यकरण, सीमांकन और सदस्यता नीचे दी गई है :—

संरचना और सदस्यता

1. अध्यक्ष (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किये जाने के लिए)
श्री सरोज जे घांड़ी, अध्यक्ष
आवास निदेशक
टाटा इंजीनियरी एंड लोकोमोटिव क. लि.
जमशेदपुर-832110
2. शिक्षा विभाग (एक प्रतिनिधि)
डा. के. गोपालन, सदस्य
संयुक्त शिक्षा सलाहकार (टी.)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

| | | |
|-------|---|-------|
| 3. | श्रम मंत्रालय (एक प्रतिनिधि) श्री आर. सी. भट्टाचार्य, निदेशक, ए. टी. आई कलकत्ता, दास नगर हवड़ा-711105 | सदस्य |
| 4-6. | प्रमुख नियोजन मंत्रालय (3 प्रतिनिधि) (रेलवे, यातायात पी. डब्ल्यू. डी. रक्षा) शिक्षा, शक्ति, इत्यादि | |
| 7-18. | राज्य और संघ शासित प्रदेश (प्रत्येक राज्य और सं. शा. प्रदेशों से एक प्रतिनिधि) | |
| 1. | असम डा. निर्मल कु. चौधरी निदेशक, तकनीकी शिक्षा, गौहाटी | सदस्य |
| 2. | बिहार | |
| 3. | मणिपुर श्री बी. एम. मुखर्जी नियंत्रक, तकनीकी शिक्षा, टाक्थेल इम्फाल-795001 | सदस्य |
| 4. | मेघालय डा. आर. एन. हजारिक अपर निदेशक, तकनीकी शिक्षा, शिलांग-793001 | सदस्य |
| 5. | मिजोरम कि. सी. थानेसिया प्रधानाचार्य, मिजोरम पालिटेक्निक, लूंगली, मिजोरम | सदस्य |
| 6. | नागालैंड श्री आई यांगर निदेशक, उच्च तथा तकनीकी शिक्षा, कोहिमा | सदस्य |
| 7. | उड़ीसा श्री बी. बी. दास निदेशक, तकनीकी शिक्षा, भुवनेश्वर | सदस्य |
| 8. | सिक्किम श्री एम. सी. माथुर, शिक्षा निदेशक, गंगटोक | सदस्य |
| 9. | त्रिपुरा प्रधानाचार्य, त्रिपुरा इंजीनियरी कालेज, बर्जाला, जिरानिया, त्रिपुरा। | सदस्य |
| 10. | प. बंगाल श्री डी. सी. दास निदेशक, तकनीकी शिक्षा (अधिनियम) कलकत्ता | सदस्य |
| 11. | अरुणाचल प्रदेश श्री जी. सी. यादव संयुक्त जन शिक्षा निदेशक, (विज्ञान और गणित) इटानगर | सदस्य |
| 12. | अंडमान और निकोबार द्वीप समूह श्री एच. डी. बिर्डी सचिव (शिक्षा) पोर्ट ब्लेयर | सदस्य |

- 19-21. उद्योग, वाणिज्य तथा श्रम (3 प्रतिनिधि जो परिषद् के अध्यक्ष द्वारा से जुड़े हुए महत्वपूर्ण व्यक्ति मनोनीत किये जायेंगे)
1. उद्योग श्री एम. के. गोस्वामी, मदस्य
प्रमुख कार्य पालक,
मलहीट चाय ओर उद्योग,
11, सरकार स्थान पूर्व
कलकत्ता-700001
2. वाणिज्य श्री एस. चालिहा, सदस्य
अध्यक्ष
आयल इंडिया लि.
पो. आ. धुलियाजन,
जि. डिब्रूगढ़, असम-786602
3. श्रम श्री तरित तोपेदार, सदस्य
सी. आई. टी. यू. 6, तालकटोरा मार्ग,
नई दिल्ली
22. भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी (एक प्रतिनिधि)
डा. बी. सेन,
प्रधानाचार्य,
बंगाल इंजीनियरी कालेज,
कलकत्ता-7111003
- 23-30. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेजों, सी.एस. प्रबंध संस्थाएं, (आठ प्रतिनिधि जो परिषद् के अध्यक्ष द्वारा राज्य इंजीनियरी कालेजों, पालिटेक्निकों, तकनीकी, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं मनोनीत किए जाएंगे।)
आदि सहित तकनीकी संस्थाएं
1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रो. के. एल. चोपड़ा (पदेन) पदेन सदस्य
निदेशक,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
2. क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेज प्रो. डा. सोमनाथ मिश्रा, सदस्य
प्रधानाचार्य,
क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज,
राऊरकेला-769008
3. राज्य इंजीनियरिंग कालेज प्रो. एस. सी. पांडे, सदस्य
निदेशक,
बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान,
रांची, बिहार
4. पालिटेक्निक श्री पी. बरुआ, सदस्य
प्रधानाचार्य,
खेलहड़ पालिटेक्निक संस्थान,
अलीज, जुन्हेवेट, नागालैण्ड
5. तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान प्रो. ए. मुस्तफी, पदेन-सदस्य
प्रधानाचार्य
तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान,
कलकत्ता
6. प्रबंध निदेशक, (पदेन) पदेन-सदस्य
भारतीय प्रबंध संस्थान, कलकत्ता
7. वास्तुकला प्रो. समीर रक्षित सदस्य
वास्तुकला विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय,
कलकत्ता-700032

| | | |
|---|--|--|
| 3. 'समर्पणी | डा. न. एन. भादुड़ी, निदेशक, भारतीय जैवप्रसाधन जीव-विज्ञान संस्थान 4, राजा एस. सी. मलिक रोड, जादवपुर, कलकत्ता-700032 | सदस्य |
| 31-33* अखिल भारतीय अध्ययन बोर्ड | | (तीन प्रतिनिधि) |
| 34* इंजीनियरी संस्था (भारत) | | (एक प्रतिनिधि) |
| 35-36 राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड | | (पश्चिम बंगाल/विहार के दो राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिपद के अध्यक्ष) पदेन सदस्य |
| 1. अध्यक्ष, राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिपद, पश्चिम बंगाल | | |
| 2. अध्यक्ष, राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिपद, विहार | | पदेन सदस्य |
| 37-98 प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड | | (दो बोर्डों के अध्यक्ष) पदेन सदस्य |
| 1. अध्यक्ष, प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड, कलकत्ता | | पदेन सदस्य |
| 2. अध्यक्ष, प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड, बम्बई | | पदेन सदस्य |
| 39-40 राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड | | (क्षेत्र में राज्य के दो औद्योगिक संपर्क बोर्डों के अध्यक्ष) पदेन सदस्य |
| 1. अध्यक्ष, राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड, असम | | |
| 2. अध्यक्ष राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड, उड़ीसा | | पदेन सदस्य |
| 41. इंजीनियरी उद्योग का परिसंघ श्री अलोक मुखर्जी, अध्यक्ष, सी.ई.आई. (ई. आर.) 23, 26, संस्थागत क्षेत्र, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 | | (एक प्रतिनिधि) सदस्य |
| 42. प्रख्यात समाज वैज्ञानिक डा. (श्रीमती) भारती राय समफलपति, (शैक्षिक) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कालेज स्क्वेयर, कलकत्ता-700073 | | (एक प्रतिनिधि) सदस्य सदस्य |
| 43.* विकलांग के हितों की देखभाल करने के लिए समाज कल्याण विभाग का एक प्रतिनिधि | | (एक प्रतिनिधि) |
| 44. महिलाओं के हितों की देखभाल करने के लिए एक प्रतिनिधि श्रीमति निर्मला बेनर्जी, सामाजिक विज्ञान अध्ययन केन्द्र, 10, लेकटेरेस, कलकत्ता-700029 | | (एक प्रतिनिधि) सदस्य |
| 45. ग्रामीण विकास के लिए उचित प्रौद्योगिकी के हितों की देखभाल करने के लिए प्रतिनिधि मि. जोये मडियाथ ग्राम विकास जिला गंजाम (उड़ीसा) | | (एक प्रतिनिधि) सदस्य |
| 46. भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरी अकादमी डा. ए. के. घोष डीन, योजना और विकास आई. एस. एम., धनबाद | | (एक प्रतिनिधि) सदस्य |
| 47. राष्ट्रीय तकनीकी जनशक्ति सूचना पद्धति सलाहकार, सूचना पद्धति अनुप्रयुक्त जनशक्ति शोध संस्थान, नई दिल्ली | | (एक प्रतिनिधि) पदेन सदस्य |

48. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एक प्रतिनिधि)
डा. एस. पी. गुप्ता सदस्य
अपर सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई दिल्ली।
49. योजना आयोग (एक प्रतिनिधि)
मि. एम. आर. कोल्हाटकर, सदस्य
सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग, नई दिल्ली
वैकल्पिक सदस्य
श्री एस. के. चोपड़ा
उप सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग, नई दिल्ली
50. *राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एक प्रतिनिधि)
51. क्षेत्रीय अधिकारी सदस्य सचिव
पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय,
कलकत्ता

टिप्पणी :— * इन संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य अपनी नियुक्ति की तारीख से पूर्वी क्षेत्रीय समिति के सदस्य के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

कार्यक्रम :— नई तकनीकी संस्थाओं, नये पाठ्यक्रमों तथा कार्यक्रमों की शुरुआत सहित विकास प्रस्तावों/योजनाओं पर कार्रवाई करना।
परिपक्व की सिफारिशों/निर्णय का कार्यान्वयन।

निम्नलिखित के साथ पारस्परिक क्रियाकलाप :—

- (क) राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड
- (ख) राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड
- (ग) तकनीकी संस्थाओं के शासी निकाय
- (घ) क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज
- (ङ) तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान
- (च) सामुदायिक पॉलिटेक्निक
- (छ) प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड
- (ज) अन्य तकनीकी संस्थान/निकाय; और
- (झ) राज्य समितियां तथा अन्य शैक्षिक संगठन/निकाय।

राज्य सरकारों/राज्य तकनीकी शिक्षा निदेशालय/व्यावसायिक निकाय/औद्योगिक संगठनों के साथ संपर्क स्थापित करना
तकनीकी संस्थाओं का सर्वेक्षण—तकनीकी जन शक्ति का मूल्यांकन सांख्यिकी आधार का विकास—राज्य सरकारों के लिए भावी विकास के लिए मार्गदर्शी सूचना का संग्रह तथा प्रसारण।

कोटि सुधार कार्यक्रमों का क्रियान्वयन :

- (क) कर्मचारी विकास योजनाओं संबंधी अंकड़े एकत्र करना।
- (ख) उद्योग में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अध्यापकों का नियोजन।
- (ग) पहले से विद्यमान तकनीकी संस्थानों, पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का समेकन।
- (घ) निर्धारित मानदंडों का प्रोत्साहन और कार्यान्वयन।

प्रत्यायन (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की सहायता)

- (क) संस्थाओं के दौरे
 - (ख) कार्यक्रमों और सुविधाओं का मूल्यांकन
 - (ग) समग्र मूल्यांकन संबंधी रिपोर्टें।
- अनुश्रवण तथा मूल्यांकन।

- (क) सभी केन्द्रीय योजनाएं
 (ख) सभी राज्य योजनाएं
 (ग) समय-समय पर तकनीकी शिक्षा प्रणाली को पुनः सक्रिय करना।
 जनता, छात्रों, शिक्षकों आदि से पी.आर. संपर्क स्थापित करना।
 भारत तथा विदेश से शिष्ट मंडलों के लिए प्रबंध करना।
 परिणद् द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य।

क्षेत्रों का सीमांकन

पूर्वी क्षेत्र :

राज्य असम, बिहार, मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा, पं. बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम
 संघ शासित प्रदेश : अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह।

[म. एक. 1-53/89-टी.5(ए. आई. सी. टी. ई.)]

MINISTRY OF HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT

(All India Council for Technical Education)

New Delhi, the 18th April, 1990

G.S.R. 387 :—In exercise of the powers conferred under Clause 14(iv) and 23(ii) (e) of the All India Council for Technical Education (AICTE) Act, 1987 (No. 52 of 1987) the AICTE hereby establishes the Eastern Regional Committee with its Office at Calcutta w.e.f. 18th April, 1990. The composition, functions, demarcation and Membership of the Eastern Regional Committee will be as given below:

Composition and Member ship

- | | |
|--|--|
| 1. Chairman | (to be appointed by the Chairman, All India Council for Technical Education) |
| Shri Sarosh J. Ghandy, Resident Director, Tata Engg. & Locomotive Co. Ltd., Jamshedpur-832110 | Chairman |
| 2. Department of Education | (one representative). |
| Dr. K. Gopalan, Joint Educational Adviser (T), Ministry of Human Resources Development, (Department of Education), Shastri Bhavan, New Delhi | Member |
| 3. Ministry of Labour | (one representative) |
| Shri R.C. Bhattacharya, Director, ATI, Calcutta, Dasnagar, Howrah-711105 | Member |
| 4-6 *Major Employment Ministries Railway, Transport, P.W.D. Defence, Irrigation, Power, etc. | (Three representatives) |
| 7-18 State & Union Territories | (One representative from each State and UT). |
| 1. Assam | Dr. Nirmal K. Chaudhary, Direction of Technical Education, Guwahati |
| 2. Bihar | Member |

| | | |
|----------------------------------|---|--|
| 3. Manipur | Shri B.M. Mukherjee, Controller of Technical Education, Govt. of Manipur, Takyel, Imphal-795001 | Member |
| 4. Meghalaya | Dr. R.N. Hazarika, Additional Director of Technical Education, Shillong-793001 | Member |
| 5. Mizoram | Mr. C. Thanseia, Principal, Mizoram Polytechnic Lungli, Mizoram | Member |
| 6. Nagaland | Shri I. Yanger, Director of Higher & Technical Education, Kohima. | Member |
| 7. Orissa | Shri B.B. Das, Director of Technical Education, Bhubaneswar | Member |
| 8. Sikkim | Shri M.C. Mathur, Director of Education, Gangtok | Member |
| 9. Tripura | The Principal, Tripura Engg. College, Barjala, Jirania, Tripura | Member |
| 10. West Bengal | Shri D.C. Das, Director of Technical Education (Act), Calcutta | Member |
| 11. Arunachal Pradesh | Shri G.C. Yadava, Joint Director of Public Instructions (Science & Maths) Itanagar | Member |
| 12. Andaman & Nicobar Islands | Shri H.D. Birdi, Secretary (Education), Port Blair | Member |
| 19-21 | Eminent persons connected with Industry, Commerce and Labour | (Three to be nominated by the Chairman of the Council). |
| 1. Industry | Shri M.K. Goswami, Chief Executive, Malhati Tea & Industries, 11. Govt. Place East, Calcutta-700001 | Member |
| 2. Commerce | Shri S. Chaliha, Chairman, Oil India Ltd., P.O. Dhuliajan, Distt. Dibrugarh, Assam-786602 | Member |

| | | |
|--|--|---|
| 3. Labour | Shri Tarit Topedar, CITU, 6, Talkatora Road, New Delhi | Member |
| 22. Indian Society for Technical Education | Dr. B. Sen, Principal, Bengal Engg. College, Calcutta-711103 | (One representative) Member |
| 23-30 | Technical Institutions including IITs, RECs, Managing Institutions, State Engg. Colleges, Polytechnics, TTTIs etc. | (8 representatives to be nominated by the Chairman of the Council). |
| 1. IIT | Prof. K.L. Chopra Director Indian Institute of Technology, Kharagpur. | Ex-officio Member |
| 2. RECs | Prof. Dr. Somnath Misra Principal, Regional Engg. College, Rourkela-769008. | Member |
| 3. State Eng. Colleges | Prof. H.C. Pandey, Director, Birla Institute of Technology Ranchi, Bihar. | Member |
| 4. Polytechnics | Shri P. Barua, Principal, The Khelhorha Polytechnic Institute, Atriju, Zunhebeto, Nagaland | Member |
| 5. TTTIs | Prof. A. Mustafi Principal, TTTI, Calcutta | Ex-officio Member |
| 6. Management | Director Indian Institute of Management, Calcutta. | Ex-officio Member |
| 7. Architecture | Prof. Samir Rakshit Department of Architecture Jadavpur University, Calcutta-700032 | Member |
| 8. Pharmacy | Dr. A.N. Bhaduri Director Indian Institute of Chemical Biology, 4 Raja S.C. Mullick Road, Jadavpur, Calcutta-700032 | Member |
| 31-32 | *All India Boards of Studies | (Three representatives) |
| 34. | *Institution of Engineers (India) | (One representative) |

35-36 State Boards of Technical Education

(Chairman of the two State Board/Council of Technical Education of West Bengal and Bihar)
Ex-officio Member

1. Chairman, State Board/
Council of Technical
Education, West Bengal

2. Chairman, State Board/
Council of Technical
Education, Bihar

Ex-officio Member

37-38 Boards of Apprenticeship Training

(Chairman of tow Board)
Ex-officio Member

1. Chairman, Board of
Apprenticeship Training,
Calcutta

2. Chairman, Board of
Apprenticeship, Bombay

Ex-officio Member

39-40 State Industrial Liaison Boards

(Chairman of two Industiral Liaison Boards in States in the Region).

1. The Chairman State Industrial
Liaison Board, Assam

2. The Chairman State Industrial
Liaison Board, Orissa

Ex-officio Member

41. Confederation of Engineering Industry
Mr. Alope Mookherjee,
Chairman, CEI (ER),
23, 26 Institutional Area,
Lodi Road, New Delhi-110003.

(One representative)

42. Eminent Social Scientists
Dr. (Mrs.) Bharati Roy,
Pro-Vice Chancellor (Academic)
Calcutta University, College Square
Calcutta-700073

Member

(One representative)

43. *Representative of the Deptt. of Social Welfare to look after
the interests of the Handicaped.

(One representative)

44. Representative to look after the interests of women
Mrs. Nirmal Banerjee
Centre for Studies in Social Sciences,
10 Lake Terrace, Calcutta-700029

(One representative)
Member

45. Representative to look after the interests of Appropriate Technology
for Rural Development
Mr. Joe Madiath,
Gram Vikas,
Distt. Ganjam (Orissa)

Member

46. Indian National Academy of Engineering
Dr. A.K. Ghose,
Dean of Planning and Development,
ISM, Dhanbad

(one representative)

Member

47. National Technical Manpower Information System
Advisor, Information System,
Institute of Applied Manpower
Research, New Delhi

(One representative)

Ex-officio Member

48. University Grants Commission
Dr. S.P. Gupta,
Additional Secretary,
University Grants Commission,
New Delhi.

(One representative)

Member

| | |
|--|----------------------|
| Planning Commission | (one representative) |
| Mr. M.R. Kolkhatkar, Adviser (Education) Planning Commission, New Delhi | Member |
| Alternative Member Shri S.K. Chopra, Deputy Adviser (Education), Planning Commission, New Delhi | |

50. *National Board of Accreditation (one representative)

51. Regional Officer,
Eastern Regional Office
Calcutta Member-Secretary

Note:—* The Members representing these organisations will assume the charge of office of the Member of the Eastern Regional Committee from the date they are so appointed.

Functions

Processing of development proposals/schemes including starting of new technical institutions, new courses and programmes.

Implementation of the recommendations/decision of the Council.

Interaction with (a) the State Board of Technical Education; (b) State Industrial Liaison Board; (c) Governing Bodies of technical institutions; (d) Regional Engineering Colleges, (e) TTIs; (f) Community Polytechnics; (g) Boards of Apprenticeship Training; (h) other technical institute bodies; and (i) Committees of the States and other educational organisations/bodies.

Liaison with the State Governments/State DTE/Professional Bodies/Industrial Organisations.

Survey of technical institutions—technical manpower assessment—Developing Data Base—Collection & dissemination of information Guide to the State Governments for future development.

Implementation of Quality Improvement Programmes:

- (a) Collection of data on staff development schemes;
- (b) Placement of teachers for practical training in Industry;
- (c) Consolidation of Technical Institutes, courses and programmes already existing;
- (d) Promotion and implementation of prescribed norms. Accreditation (Assistance to National Board on Accreditation)

- (a) Visits to Institutions
- (b) Assessment of Programmes and Facilities
- (c) Reports on overall assessment

Monitoring and Evaluation.

- (a) All Central Schemes
 - (b) All States Schemes
 - (c) Revitalisation of system of Technical Education from time to time.
- P.R. Contact with Public students, teachers, etc.
Arrangement for Delegations from India and abroad.
Any other work assigned by the Council.

Demarcation of Regions

Eastern Region

States: Assam, Bihar, Manipur, Meghalaya, Nagaland, Orissa, Sikkim, Tripura, West Bengal, Arunachal Pradesh and Mizoram.

U.T. Andaman and Nicobar Islands.

सा.का.नि. 388 :—अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1987 (1987 का 52) के खंड 14 (iv) और 23 (ii) (ड़) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् एतद्वारा 18 अप्रैल, 1990 से बम्बई में कार्यालय सहित पश्चिमी क्षेत्रीय समिति संस्थापित करती है। पश्चिमी क्षेत्रीय समिति की संरचना कार्यकरण, सीमांकन और सदस्यता नीचे दी गई है :—

संरचना और सदस्यता

1. अध्यक्ष (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किया जाएगा) अध्यक्ष
श्री मोहन भाई पटेल,
अध्यक्ष,
पटेल विस्तार ग्रुप.,
पो.ओ. बाक्स 9037
पटेल वामक वैस्ट, एक्स्प्रेस हाईवे
गोरेगांव (ईस्ट)
बम्बई-400063.
2. शिक्षा विभाग: (एक प्रतिनिधि)
डा. के. गोपालन,
संयुक्त शिक्षा सलाहकार (टी)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली।
3. श्रम मंत्रालय : (एक प्रतिनिधि)
श्री डी. एनम. सोमकुवर,
निदेशक,
ए.टी.आई.साई. ट्राम्बे रोड,
बम्बई।
- 4-6 प्रमुख रोजगार मंत्रालय (तीन प्रतिनिधि)
(रेलवे परिवहन, सा.का. विभाग
रक्षा, सिंचाई, पावर आदि)
- 7-12 राज्य तथा संघ शासित प्रदेश (प्रत्येक राज्य के एक एक प्रतिनिधि)
1. गुजरात
2. गोवा
3. मध्य प्रदेश
4. महाराष्ट्र सदस्य
तकनीकी शिक्षा निदेशक,
महाराष्ट्र सरकार, बम्बई
संघ शासित प्रदेश :
1. दमन और दीव
2. दादरा और नागर हवेली

13-15. उद्योग, वाणिज्य और श्रम से (परिषद् के अध्यक्ष संबंधित तीन विख्यात व्यक्ति : द्वारा नामित किए जाने वाले तीन प्रतिनिधि)

उद्योग
डा. रमाकान्त देशपांडे, सदस्य
कारपोरेट सलाहकार (तकनीकी)
भारत फोर्ज लिमिटेड,
मुन्डावा, पुणे-411030.

वाणिज्य
डा. कल्याण बैनर्जी,
अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, सदस्य
एकसीम, बैंक।

श्रम
श्री एन.एम. बरोट, सदस्य
अध्यक्ष, राष्ट्रीय श्रम संगठन,
गांधी मजदूर शिवालय, भादना

16. भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसाईटी (एक प्रतिनिधि)
प्रो. बी. आर. देशपांडे, सदस्य।
प्रिसिपल,
कुसरो वाडिया प्रौद्योगिकी संस्थान,
पुणे।

17-24 भा.प्रौ. संस्थान, क्षे.ई. कालेज (परिषद् के अध्यक्ष प्रबन्ध, संस्थान, राज्य इंजीनियरी द्वारा शामिल किए कालेज, पालिटैक्निक आदि जाने वाले प्रतिनिधि।)
भा.प्रौ. संस्थान
प्रो. बी., नाग, पदेन सदस्य
निदेशक,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
बम्बई।

क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज :
डा. जी. एन. गुरुंड, सदस्य
प्रिसिपल,
वी. आर. सी. ई.
नागपुर-440001.

राज्य इंजीनियरी कालेज
डा. जी.पी. श्रीवास्तव, सदस्य
जी.एस. प्रौद्योगिकी संस्थान,
इंदौर

पालिटैक्निक
फादर एफ. डी. मेलो, सदस्य
प्रिसिपल,
सैंट जेवियर तकनीकी संस्थान,
बम्बई-400016.

- नहरोही शिक्षा मण्डल,
प्रो. के. सी. सबरवाल, पदेन सदस्य
प्रिंसिपल,
तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान,
भोपाल।
संगणक विज्ञान :
डा. एस. रमानी, सदस्य
राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी संस्थान,
गुलमोरा क्रास रोड,
बम्बई-400049.
- वास्तुकला।
श्री किर्ती शाह, पदेन सदस्य
वास्तुकार,
अहमदाबाद।
- 25-27 *अखिल भारतीय अध्ययन बोर्ड (3 प्रतिनिधि)
28. इंजीनियर्स संस्थान (इंडिया) (एक प्रतिनिधि)
29-30 राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड : (दो राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिषद के अध्यक्ष)
1. अध्यक्ष
राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिषद
महाराष्ट्र सरकार
 2. अध्यक्ष, पदेन सदस्य
राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिषद,
गोवा सरकार।
- 31-32 प्रशिक्षुता बोर्ड : (दो बोर्डों के अध्यक्ष)
1. अध्यक्ष,
प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड, मद्रास,
 2. अध्यक्ष, पदेन सदस्य
प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड बंबई
- 33-34 राज्य औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड : (राज्य के क्षेत्र में दो औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड के अध्यक्ष)
1. अध्यक्ष, राज्य औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड, गुजरात। पदेन सदस्य
 2. अध्यक्ष, राज्य औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड महाराष्ट्र
35. इंजीनियरी उद्योग सघ : (एक प्रतिनिधि)
36. विख्यात समाज विज्ञानी : (एक प्रतिनिधि)
डा. (कुमारी) ए. देसाई, सदस्य
निदेशक,
टण्टा समाज विज्ञान संस्थान,
देवनार, बम्बई-400088.
37. महिला के हितों की देखभाल के लिए प्रतिनिधि : (एक प्रतिनिधि)
श्रीमती नीरा देसाई,
भूतपूर्व एस.एन.डी.टी. विभव- सदस्य
विद्यालय, बम्बई।
38. ग्रामीण विकास के लिए उपयुक्त (एक प्रतिनिधि)
प्रौद्योगिकी के हितों की देखभाल के लिए प्रतिनिधि
प्रो. एस.एस. कालबाग, सदस्य
विषयान्तर आश्रम,
भारतीय शिक्षा संस्थान पबल
जिला-पुणे-412403
39. भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरी (एक प्रतिनिधि)
अकादमी :
डा. एस.पी. सुखातने, सदस्य
प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियर,
आई.आई.टी., पवई, बम्बई।
40. राष्ट्रीय तकनीकी जनशक्ति मूचना (एक प्रतिनिधि)
प्रणाली
डा. वी.एन. गुपचुप, सदस्य
प्रिंसिपल,
विक्टोरिया जुबली, तकनीकी संस्थान,
बम्बई।
41. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग : (एक प्रतिनिधि)
डा. एस.पी. गुप्ता, सदस्य
अपर सचिव,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई दिल्ली।
42. योजना आयोग : (एक प्रतिनिधि)
श्री एम.आर. कोलहटकर, सदस्य
सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग,
नई दिल्ली
वैकल्पिक सदस्य
श्री एस. आर. चोपड़ा,
उप सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग,
नई दिल्ली।
43. *राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड : (एक प्रतिनिधि)
44. क्षेत्रीय अधिकारी, सदस्य
पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय,
बम्बई।
- *टिप्पण :—इन संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य पश्चिमी क्षेत्रीय समितियों के सदस्यों का कार्यभार उसी दिन से संभालेंगे जब से उनकी नियुक्ति होगी।
- कार्यकरण :—नयी शिक्षा संस्थाओं, नये पाठ्यक्रमों तथा कार्यक्रमों की शुरुआत सहित विकास प्रस्तावों/योजनाओं पर कार्यवाई करना। परिषद् की सिफारिशों निर्णय का कार्यान्वयन। निम्नलिखित के साथ पारस्परिक त्रियाकलाप—(क) तकनीकी शिक्षा की राज्य संस्था (ख) राज्य औद्योगिक सम्पर्क

बोर्ड : (ग) तकनीकी संस्थाओं की शासी निकाय
(घ) क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज, (ङ) तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान : (च) सामुदायिक पालिटेक्निक (व) प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड (ज) अन्य तकनीकी संस्थान निकाय और (झ) राज्य समितियों तथा अन्य शैक्षिक संगठन/निकाय/राज्य सरकारों/राज्य जिला शिक्षा/राज्य तकनीकी शिक्षा निदेशालय/व्यावसायिक निकाय/औद्योगिक संगठनों के साथ सम्पर्क स्थापित करना।

*तकनीकी संस्थाओं का सर्वेक्षण-तकनीकी जन शक्ति का मूल्यांकन-सांख्यिकी आधार का विकास -

*राज्य सरकारों के लिए भावी विकास के लिए मार्गदर्शी सूचना का संग्रह तथा प्रसारण।

कोटि सुधार कार्यक्रमों का क्रियान्वयन :—

(क) कर्मचारी विकास योजनाओं संबंधी आंकड़े एकत्र करना।

(ख) उद्योग में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अध्यापकों का नियोजन।

(ग) पहले से विद्यमान तकनीकी संस्थाओं, पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का समन्वय।

(घ) निर्धारित मानदण्डों का प्रोत्साहन और कार्यान्वयन। प्रत्यायन (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की सहायता)

(क) संस्थाओं के दौरे।

(ख) कार्यक्रमों और सुविधाओं का मूल्यांकन।

(ग) समग्र मूल्यांकन संबंधी रिपोर्ट।

अनुश्रवण तथा मूल्यांकन

(क) सभी केन्द्रीय योजनाएं।

(ख) सभी राज्य योजनाएं।

(ग) समय-समय पर तकनीकी शिक्षा प्रणाली को पुनः सक्रिय करना।

जनता, छात्रों, शिक्षकों आदि से पी. आर. सम्पर्क स्थापित करना भारत तथा विदेश से शिष्ट मण्डलों के लिए प्रबन्ध करना। परिषद द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य।

क्षेत्रों का सीमांकन :

पश्चिमी क्षेत्र :

राज्य. गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश, और महाराष्ट्र संघशासित प्रदेश, दमन और दीव, दादरा और नागर हवेली।

[सं. एफ. 1-51/89-टी.डी.-5(अ.भा.त.शि.प.)]

G.S.R. 381 —In exercise of the powers conferred under Clause 14 (iv) and 23 (ii) (e) of the All India Council for Technical Education (AICTE) Act, 1987 (No. 52 of 1987) the AICTE hereby establishes the Western Regional Committee with its Office at Bombay w.e.f. 18th

April, 1990. The Composition, functions, demarcation and Membership of the Western Regional Committee will be as given below:-

Composition and Membership

1. Chairman

(to be appointed by the Chairman, All India Council for Technical Education)

Shri Mohan Bhai Patel,
Chairman,
Patel Extrusion Group,
P.O. Box No. 9037,
Patel Vamka Westn.
Express Highway,
Goregaon (East),
Bombay-400 063.

Chairman

2. Department of Education :

(One representative)

Dr. K. Gopalan,
Joint Educational Adviser (T),
Ministry of Human Resource
Development,
(Department of Education),
Shastri Bhavan,
New Delhi.

Member

3. Ministry of Labour :

(One representative)

Shri D.M. Somkuwar,
Director,
ATI-Sion,
Trombay Road,
Bombay.

Member

*4-6. Major Employment Ministries:

(Three representatives)

(Railway,
Transport, P.W.D.
Defence, Irrigation,
Power etc.)

7-12 States & Union Territories:

(One representatives from each State & UT)

*1. Gujarat

*2. Goa

*3. Madhya Pradesh

4. Maharashtra :

Director of Technical
Education,
Government of Maharashtra,
Bombay.

Member

U.Ts.:

- *1. Daman and Diu
- *2. Dadra & Nagar Haveli:

13-15. Eminent persons connected with Industry, Commerce and Labour:
(Three representatives to be nominated by the Chairman of the Council)

Industry:

Dr. Ramakant Deshpande, Member
Corporate Adviser (Technical)
Bharat Forge Limited,
Mundhawa,
Pune-411 030.

Commerce:

Dr. Kalyan Banerjee, Member
Chairman,
& Managing Director,
Exim Bank.

Labour:

Shri N.M. Barot, Member
President,
National Labour Organisation,
Gandhi Mazdoor Shivlaya,
Bhadna.

16. Indian Society for Technical Education :
(One representative)
Prof. V.R. Deshpande, Member
Principal,
Cusrow Wadia Institute of Technology,
Pune.

17-24 Technical Institutions including IITs, RECs, Managing Institutions, State Engineering Colleges, Polytechnics etc.
(8 representatives to be nominated by the Chairman of the Council)

IITs:

Prof. B. Nag, Ex-officio Member
Director,
Indian Institute of Technology,
Bombay.

RECs:

Dr. G.N. Garud.
Principal, Member
V.R.C.E.
Nagpur-440 001.

State Engineering College
Dr. J.P. Srivastava, Member
Director.
G.S. Technological Institute,
Indore.

Polytechnics:

Father F. De. Melok, Member
Principal,
St. Xavier Technical Institute,
Bombay-400 016.

TTTIs:

Prof. H.C. Sabharwal, Ex-officio Member
Principal,
TTTI,
Bhopal.

Computer Science:

Dr. S. Ramani, Member
National Centre for Software,
Technology,
Gulmohar Cross Road,
Bombay-400 049.

Architecture:

Shri Kirtee Shah, Member
Architect,
Ahmedabad.

Management:

Director, Ex-officio Member
Indian Institute of Management
Ahmedabad.

25-27*All India Boards of Studies:
(3 representatives)

28. *Institution of Engineers (India)
(One representative)

29-30 State Boards of Technical Education
(Chairman of the two State Board/Council of Technical Education)

- | | |
|--|-------------------------|
| 1. Chairman, State Board/Council of Technical Education, Government of Maharashtra. | } Ex-officio Members |
| 2. Chairman, State Board/Council of Technical Education, Government of Goa. | |

- 31-32 Boards of Apprenticeship:**
(Chairman of Two Boards)
1. Chairman,
Board of Apprenticeship Trg.
Madras. Ex-officio
Chairman,
Board of Apprenticeship Trg.
Bombay. Members
- 33-34 State Industrial Liaison Boards:**
(Chairman of two Industrial Liaison Boards in States in the Region).
1. Chairman of State Industrial Liaison Board, Gujarat. Ex-officio Members
 2. Chairman of State Industrial Liaison Board, Maharashtra.
- 35. Confederation of Engineering Industry:**
(One representative)
- 36. Eminent Social Scientists:**
(One representative)
Dr. (Miss) A. Desai. Member
Director,
Tata Institute of Social Sciences,
Deonar,
Bombay-400 088.
- 37. Representative to look after the interests of Women:**
(One representative)
Mrs. Neera Desai, Member
Formerly of SNDT University,
Bombay.
- 38. Representative to look after the interests of Appropriate Technology for Rural Development)**
(One representative)
Prof. S.S. Kalbagh, Member
Vidnyan Ashram,
Indian Institute of Education,
Pabal,
Distt. Pune:412 403.
- 39. Indian National Academy of Engineering:**
(One representative)
Dr. S.P. Sukhatme,
Professor of Mechanical Engineering. Member
IIT,
Powai,
Bombay.
- 40. National Technical Manpower Information System:**
(One representative)
Dr. V.N. Gupchup,
Principal,
Victoria Jubilee, Member
Technical Institute,
Bombay.
- 41. University Grants Commission:**
(One representative)
Dr. S.P. Gupta, Member
Additional Secretary,
University Grants Commission,
New Delhi.
- 42. Planning Commission:**
(One representative)
Shri M.R. Kolhatkar, Member
Adviser (Education),
Planning Commission,
New Delhi.
Alternative Member
Shri S.R. Chopra,
Deputy Adviser (Education),
Planning Commission,
New Delhi.
- 43. *National Board of Accreditation:**
(One representative)
- 44. Regional Officer,** Member-Secretary
Western Region Office,
Bombay.
-
- *Note:** The members representing these organisations will assume the charge of Office of the Members of the Western Regional Committees from the date they are so appointed.
- Functions:**
- Processing of development proposals/schemes including starting of new technical institutions, New courses and programmes.
- Implementation of the recommendations/decision of the Council.
- Interaction with (a) the State Board of Technical Education; (b) State Industrial Liaison Board (c) Government Bodies of technical institutions; (d) Regional Engineering Colleges, (e) TTIs; (f) Community Polytechnics; (g) Boards of apprenticeship Training (h) other technical institute bodies; and (i) Committees of the States and other educational organisations/bodies.

Liaison with the State Governments/State DTE/Professional Bodies/Industrial Organisations.

Survey of technical institutions-technical manpower assessment—Developing Data Base—Collection & dissemination of information Guide to the State Governments for further development.

Implementation of Quality Improvement Programmes:

- (a) Collection of data on staff development schemes;
- (b) Placement of teachers for practical training in industry;
- (c) Consolidation of Technical Institutes, courses and programmes already existing;
- (d) Promotion and implementation of prescribed norms.

Accreditation (Assistance to National Board on Accreditation)

- (a) Visits to Institutions.
- (b) Assessment of Programmes and Facilities.
- (c) Reports on overall assessment.

Monitoring and Evaluation:

- (a) All Central Schemes.
- (b) All States Schemes.
- (c) Revitalisation of system of Technical Education from time to time.

P.R. Contact with Public students, teachers, etc. Arrangement for Delegations from India and abroad. Any other work assigned by the Council.

Demarcation of Regions:

Western Region:

States: Gujarat, Goa, Madhya Pradesh and Maharashtra.

U.Ts.: Daman and Diu, Dadra & Nagar Haveli.

सहित उत्तरी क्षेत्रीय समिति मंस्थापित करती है। उत्तरी क्षेत्रीय समिति की संरचना कार्यकरण, सीमांकन और सदस्यता नीचे दी गई है:—
संरचना और सदस्यता

1. अध्यक्ष (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किये जाने के लिए)

डा. पी.पी. गुप्ता,
अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक,
संगणक रख-रखाव निगम,
नई दिल्ली।

2. शिक्षा विभाग (एक प्रतिनिधि)
प्रो. एस. के. श्रीवास्तव,
संयुक्त शिक्षा सलाहकार (टी)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली।

3. श्रम मंत्रालय (एक प्रतिनिधि)
श्री एस.आई. सिद्धकी,
निदेशक,
ए.टी.आई., उद्योग नगर,
कानपुर

- 4-6. प्रमुख नियोजन मंत्रालय (3 प्रतिनिधि)
(रेलवे यातायात, पी. डब्ल्यू. डी.,
रक्षा, सिंचाई, शक्ति इत्यादि)

- 7-14 राज्य और संघ शासित प्रदेश (प्रत्येक राज्य तथा संघ शासित प्रदेश से एक प्रतिनिधि)

1. चंडीगढ़ सदस्य
निदेशक, तकनीकी शिक्षा
संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़,
चंडीगढ़।

2. दिल्ली सदस्य
श्री कुलानन्द भारतीय
कार्यकारी पार्षद (शिक्षा)
पुराना सचिवालय, दिल्ली।

3. उत्तर प्रदेश सदस्य
विशेष सचिव
तकनीकी शिक्षा, उत्तर प्रदेश
सरकार लखनऊ-226001

[No. F. 1-51/89-T.D.S. (AICTE)]

सा.का.नि. 389—अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद अधिनियम, 1987 (1987 का 52) के खंड 14 (iv) और 23(ii)(इ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एतद्-द्वारा 18 अप्रैल, 1990 से कानपुर में अपने कार्यालय

4. राजस्थान :
श्री गोविन्द जी मिश्र सदस्य
आयुक्त तथा सचिव,
तकनीकी शिक्षा,
राजस्थान जयपुर
5. हरियाणा
श्री त्रिलोचन सिंह, आई. ए. एस. सदस्य
राजस्व आयुक्त तथा सचिव,
तकनीकी शिक्षा, हरियाणा,
चंडीगढ़।
- * 6. हिमाचल प्रदेश } (प्रत्येक राज्य से एक प्रतिनिधि)
* 7. जम्मू और कश्मीर }
* 8. पंजाब। }
- 15-17 उद्योग वाणिज्य तथा श्रम से जुड़े हुए प्रख्यात व्यक्ति उद्योग (3 प्रतिनिधि जो परिषद के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किये जायेंगे)
- श्री आर. सी. भागंव,
प्रब निदेशक,
मारुति उद्योग लि.,
11वीं मंजिल, जीवन प्रकाश
26, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110001
- वाणिज्य
श्री ए. एच. दलाल,
अध्यक्ष, सनदी लेखा पाल संस्थान,
बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली
- श्रम
श्री ए. वी. वर्धन
ए. आई. टी. यू. सी.
नई दिल्ली।
18. भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी (एक प्रतिनिधि)
डा. एस. सी. हान्डा,
प्रो. तथा समन्वयक
क्यू. आई. पी. केन्द्र,
रूड़की विश्वविद्यालय, रूड़की (उ.
प्र.)
- 19-26 आई. आई. टी., आर. ई. सी. (8 प्रतिनिधि परिषद प्रबन्ध संस्थान, राज्य इंजीनियरी के अध्यक्ष द्वारा मनो-कालेज, पालिटेक्निक सहित तकनीकी संस्थान इत्यादि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होंगे)
- प्रो. एन. सी. निगम,
निदेशक,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
हौजखास, नई दिल्ली-110016
- क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज
डा. बरकट हुसैन,
प्रो. सिविल इंजीनियरी,
क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज,
श्री नगर
- राज्य इंजीनियरी कालेज
डा. टी. आर. अनन्तरमन
निदेशक,
थापर, इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी
संस्थान पटियाला।
- पालिटेक्निक :
डा. डी. आर. मल्होत्रा सदस्य
निदेशक,
वाई. एम. सी. ए. इंजीनियरी
संस्थान, फरीदाबाद।
- तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान
प्रो. के. बी. रैना, सदस्य
प्रधानाचार्य,
तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान
सेक्टर- 6, चंडीगढ़-160019
- (i) प्रो. वी. पी. रंजारी, सदस्य
प्रोफेसर
योजना तथा वास्तुकला
स्कूल
नई दिल्ली।
- (ii) डा. (कु.) वी. पाटिल सदस्य
निदेशक,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान,
लखनऊ।
- (iii) डा. परवीन्द्र सिंह, सदस्य
उपाध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक,
रैनवाप्सी प्रयोगशाला लि.,
19, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।
- 27-29 अखिल भारतीय शिक्षण बोर्ड : (3 प्रतिनिधि)
30* इंजीनियरी संस्थान (भारत) (एक प्रतिनिधि)
- 31-32* राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड : (दो राज्यों राजस्थान तथा हिमाचल प्रदेश के तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिषद के अध्यक्ष)

| | | |
|--|---|--|
| 1. अध्यक्ष, राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिषद, राजस्थान | पदेन सदस्य | वैकल्पिक : डा. एस.के. चोपड़ा, उप सलाहकार (शिक्षा) योजना आयोग, नई दिल्ली। |
| 2. अध्यक्ष, राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड/परिषद, हिमाचल प्रदेश | पदेन सदस्य | |
| 33-34 प्रशिक्षु प्रशिक्षण बोर्ड: | (दो बौदों के अध्यक्ष) | |
| 1. अध्यक्ष, प्रशिक्षु प्रशिक्षण बोर्ड, कानपुर, | पदेन सदस्य | 44. महिलाओं के हितों की देखभाल करने के लिए प्रतिनिधि |
| 2. अध्यक्ष, प्रशिक्षु प्रशिक्षण बोर्ड, कलकत्ता। | पदेन सदस्य | श्रीमती देवकी जैन, सदस्य एस.एम.एस. थियेटर क्लब म्यूजियम, 5, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली। |
| 35-36 राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड : | (क्षेत्र के राज्य के दो औद्योगिक संपर्क बोर्ड के अध्यक्ष) | |
| 1. अध्यक्ष, राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड, जम्मू और कश्मीर | पदेन सदस्य | 45. ग्रामीण विकास के लिए उचित तकनीकी के हितों की देखभाल करने के लिए प्रतिनिधि |
| 2. अध्यक्ष राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड, पंजाब | पदेन सदस्य | श्री आर. एन. कपूर सदस्य अध्यक्ष, ग्राम विकास, 7-ई, स्वामी राम तिरथ नगर रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055. |
| 37. *इंजीनियरी उद्योग संघ : | (एक प्रतिनिधि) | |
| 38. प्रख्यात समाज वैज्ञानिक | (एक प्रतिनिधि) | |
| 1. श्री ए. रहमान, सी.एस.आई.आर. के भूतपूर्व | सदस्य | 46. क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तरी क्षेत्र सदस्य-सचिव कार्यालय कानपुर। |
| 39. भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरी अकादमी : | (एक प्रतिनिधि) | टिप्पणी :— *इन संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य अपनी नियुक्ति की तारीख से उत्तरी क्षेत्रीय समिति के सदस्य के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण करेंगे। |
| डा. आर.जी. गर्डे, सम-कुलपति, इ.आ.रा.मु.वि. वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली | सदस्य | |
| 40. राष्ट्रीय तकनीकी जनशक्ति सूचना व्यवस्था: | (एक प्रतिनिधि) | कार्यकरण :— नयी तकनीकी संस्थाओं, नये पाठ्यक्रमों तथा कार्यक्रमों की शुरुआत सहित विकास प्रस्तावों/योजनाओं पर कार्यवाई करना। परिषद की सिफारिशों/निर्णय का कार्यान्वयन। निम्नलिखित के साथ पारस्परिक क्रिया-कलाप। |
| प्रमुख सूचना व्यवस्था, अनुप्रयुक्त जनशक्ति शोध संस्थान, नई दिल्ली। | सदस्य | |
| 41. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग : | (एक प्रतिनिधि) | (क) राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, (ख) राज्य औद्योगिक संपर्क बोर्ड, (ग) तकनीकी संस्थाओं की शासी निकाय, (घ) क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज, (ङ) तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, (च) सामुदायिक पालिटेक्निक, (छ) प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड, (ज) अन्य तकनीकी संस्थान, निकाय, और (झ) राज्य समितियां तथा अन्य शैक्षिक संगठन/निकाय। |
| डा. एस.पी. गुप्ता, अपर सचिव, यू.जी.सी. बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली। | सदस्य | |
| 42. *राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड : | (एक प्रतिनिधि) | |
| 43. योजना आयोग : | (एक प्रतिनिधि) | |
| श्री एम.आर. कोल्हाटकर, सलाहकार (शिक्षा), योजना आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली। | सदस्य | |

राज्य सरकारों/राज्य तकनीकी शिक्षा निदेशालय, व्यावसायिक निकाय/औद्योगिक संगठनों के साथ संपर्क स्थापित करना।

तकनीकी संस्थाओं का सर्वेक्षण-तकनीकी जनशक्ति का मूल्यांकन, सांख्यिकी आधार का विकास राज्य सरकारों के लिए भावी विकास के लिए मार्गदर्शी सूचना का संग्रह तथा प्रसारण। कोटि सुधार कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।

(क) कर्मचारी विकास योजनाओं संबंधी आंकड़े एकत्र करना।

(ख) उद्योग में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अध्यापकों का नियोजन।

(ग) पहले से विद्यमान तकनीकी संस्थानों, पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का समेकन।

(घ) निर्धारित मानदंडों का प्रोत्साहन और कार्यान्वयन। प्रत्यायन (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड को सहायता)

(क) संस्थाओं के दौरे।

(ख) कार्यक्रमों और सुविधाओं का मूल्यांकन।

(ग) समग्र मूल्यांकन संबंधी रिपोर्टें।

अनुश्रवण तथा मूल्यांकन।

(क) सभी केन्द्रीय योजनाएं।

(ख) सभी राज्य योजनाएं।

(ग) समय-समय पर तकनीकी शिक्षा प्रणाली को पुनः सक्रिय करना।

जनता, छात्रों, शिक्षकों आदि से पी.आर. सम्पर्क स्थापित करना। भारत तथा विदेश से शिष्टमंडलों के लिए प्रबन्ध करना। परिषद द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। क्षेत्रों का सीमांकन।

उत्तरी क्षेत्र

राज्य : हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश।

संघ शासित प्रदेश : चंडीगढ़ और दिल्ली।

[सं. एफ. 1-50/89-टी-5 (अ.भा.त.शि.प.)]

G.S.R. 389:—In exercise of the powers conferred under Clause 14(iv) and 23(ii) (e) of the All India Council for Technical Education (AICTE) Act, 1987 (No. 52 of 1987) the AICTE hereby establishes the Northern Regional Committee with its office at Kanpur w.e.f. 18th April, 1990. The composition, functions demarcation and Membership of the Northern Regional Committee will be as given below:

Composition and Membership

1. Chairman

(to be appointed by the Chairman, All India Council for Technical Education).

Dr. P.P. Gupta,

Chairman

Chairman & Managing

Director,
Computer Maintenance
Corporation.
New Delhi.

2. Department of Education
(one representative)

Prof. S.K. Srivastava,
Joint Educational Adviser (T),
Ministry of Human Resource
Development,
(Deptt. of Education)
Shastri Bhavan,
New Delhi.

Member

3. Ministry of Labour
(one representative)

Shri S.I. Siddiqui,
Director,
ATI,
Udyog Nagar,
Kanpur.

Member

4-6. *Major Employment Ministries
(three representatives)

(Railway, Transport, P.W.D.,
Defence, Irrigation, Power etc.)

7-14 Date & Union Territories
(one representative from each
State and UT)

1. Chandigarh

Director Technical Education,
UT of Chandigarh,
Chandigarh.

Member

2. Delhi

Shri Kulanand Bhartiya,
Executive Councillor
(Education)
Old Sectt.
Delhi.

Member

3. Uttar Pradesh

Special Secretary,
Technical Education,
Govt. of UP
Lucknow-226 001.

Member

4. Rajasthan

Shri Govind Jee Misra
Commissioner & Secretary
Technical Education,
Rajasthan,
Jaipur.

Member

5. Haryana
Shri Trilochan Singh, Member
IAS,
Financial Commissioner &
Secretary,
Technical Education,
Haryana,
Chandigarh.
- *6 Himachal Pradesh }
*7 Jammu & Kashmir } One representative from
*8 Panjab } each of the States.
- 15-17. Eminent persons connected
with Industry, Commerce
and Labour.
(three representatives to be
nominated by the Chairman of
the Council).
- Industry
Shri R.C. Bhargava,
Managing Director,
Maruti Udyog Ltd. (MUL),
11th Floor,
Jeewan Prakash,
26, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi-110001.
- Commerce
Shri A.H. Dalal,
President
Institute of Chartered Accountants,
Bahadurshah Zafar Marg,
New Delhi-110002.
- Labour
Shri A.B. Bardhan,
AITUC
New Delhi.
18. Indian Society for Technical
Education
(one representative)
Dr. S.C. Handa,
Professor and Coordinator,
QIP Centre,
Roorkee University.
Roorkee (UP).
- 19-26 Technical Institutions including
IITs, RECs, Managing
Institutions State Engg.
Colleges, Polytechnics etc.
(8 representatives to be nominated
by the Chairman of the
Council).
- IITs
Prof. N.C. Nigam
Director,
Indian Institute of Technology.
Hauz Khas,
New Delhi-110016.
- RECs
Dr. Barkat Hussain,
Professor of Civil Engg.
Regional Engg. College,
Srinagar.
- State Engineering Colleges
Dr. T.R. Anantharaman,
Director,
Thapar Institute of Engg. &
Technology,
Patiala.
- Polytechnics
Dr. D.R. Malhotra, Member
Director,
YMCA Institute of Engineering
Faridabad.
- TTTIs
Prof. K.B. Raina, Member
Principal,
Technical Teachers' Training
Institute,
Sector-26,
Chandigarh-160019.
- (i) Prof. V.P. Raori, Member
Professor,
School of Planning & Architecture.
New Delhi.
- (ii) Dr. (Miss) V. Patil, Member
Director,
Indian Institute of Management,
Lucknow.
- (iii) Dr. Parvinder Singh, Member
Vice-Chairman & Managing
Director,
Ranbaxy Laboratories Ltd.
19, Nehru Place,
New Delhi.
- 27-29 *All India Boards of Studies
Three representatives.
- 30 *Institutions of Engineers
(India)
(One representative).

- 31-32 State Boards of Technical Education: (Chairman of the two State Boards/Council of Tech. Education of Rajasthan & Himachal Pradesh).
1. Chairman, State Board/Council of Education, Rajasthan. Ex-officio Member
 2. Chairman, State Board/Council of Tech. Education, Himachal Pradesh. Ex-officio Member
- 33-34 Boards of Apprenticeship Training: (Chairman of two Boards)
1. Chairman, Board of Apprenticeship Training, Kanpur. Ex-officio Member
 2. Chairman, Board of Apprenticeship Training, Calcutta. Ex-officio Member
- 35-36 State Industrial Liaison Boards : (Chairman of two Industrial Liaison Boards in States in the Region)
1. Chairman State Industrial Liaison Board of Jammu & Kashmir. Ex-officio Member
 2. Chairman State Industrial Liaison Boards of Punjab. Ex-officio Member
37. *Confederation of Engineering Industry: (One representative)
38. Eminent Social Scientists: (One representative)
1. Shri A. Rahman, Previously of CSIR. Member
39. Indian National Academy of Engineering (One representative)
Dr. R.G. Garde,
Pro-Vice -Chancellor, IGNOU,
Maidan Garhi,
New Delhi. Member
40. National Technical Manpower Information System: (One representative)
Chief Information System.
Institute of Applied Manpower Research,
New Delhi. Member.
41. University Grants Commission: (One representative)
Dr. S.P. Gupta,
Additional Secretary,
U.G.C. Bhadurshah Zafar Marg,
New Delhi. Member
42. *National Board of Accreditation : (One representative)
Member
43. Planning Commission: (One representative)
Shri M.R. Kolhatkar, Member
Adviser (Education),
Planning Commission,
Yojana Bhavan, New Delhi.
Alternative
Dr. S.K. Chopra,
Dy. Adviers (Education),
Planning Commission. New Delhi.
44. Representative to look after the interest of Women:
Mrs. Devaki Jain. Member
SMS Theatre Crafts Museum,
5, Deen Dayal Upadhyaya Marg,
New Delhi.
45. Representative to look after the interests of Appropriate Technology for Rural Development :
Shri R.N. Kapur, Member
President,
Gram Vishav,
7-E, Swami Ram Tirath Nagar,
Rani Jhansi Road,
New Delhi-110055.
46. Regional Officer , Northern Regional Office, Kanpur. Member-Secretary
- Note :--*The Members representing these organisations will assume the charge of the Members of the Northern Regional Committees from the date they are so appointed.

Functions

Processing of development proposals/schemes including starting of new technical institutions, new courses and programmes.

Implementation of the recommendations/decision of the Council.

Interaction with (a) the State Board of Technical Education; (b) State Industrial Liaison Board; (c) Governing Bodies of technical institutions; (d) Regional Engineering Colleges; (e) TTIs; (f) Community Polytechnics; (g) Boards of Apprenticeship Training; (h) other technical institute bodies; and (i) Committees of the States and other educational organisations/bodies.

Liaison with the State Governments/State DTE/Professional Bodies/Industrial Organisations.

Survey of technical institutions—technical manpower assessment—Developing Data Base Collection & dissemination of information Guide to the State Governments for future development.

Implementation of Quality Improvement Programmes:

- (a) Collection of data on staff development schemes;
- (b) Placement of teachers for practical training in Industry;
- (c) Consolidation of Technical Institutes, courses and programmes already existing;
- (d) Promotion and implementation of prescribed norms.

Accreditation (Assistance to National Board on Accreditation).

- (a) Visits to Institutions.
- (b) Assessment of Programmes and Facilities.
- (c) Reports on overall assessment.

Monitoring and Evaluation:

- (a) All Central Schemes.
- (b) All States Schemes.
- (c) Revitalisation of system of Technical Education from time to time.

P.R. Contact with Public students, teachers etc.

Arrangement for Delegations from India and abroad.

Any other work assigned by the Council.

Demarcation of Region.

Northern Region.

States: Haryana. Himachal Pradesh. J&K, Punjab. Rajasthan and U.P.

U.T. : Chandigarh and Delhi.

[No.F.1-50/89/T.5 (AICTE)]

सा.का.नि. 390 :—अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् अधिनियम, 1987 (1987 का 52) के खंड 14 (iv) और 23 (ii) (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् एतद्द्वारा 18 अप्रैल, 1990 में मद्रास में अपने कार्यालय सहित दक्षिणी क्षेत्रीय समिति संस्थापित करनी है। दक्षिणी क्षेत्रीय समिति की संरचना कार्यकरण, सीमांकन और सदस्यता निम्नलिखित है :—

गठन और सदस्यता :

* 1. अध्यक्ष : अध्यक्ष
(अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा नियुक्त होगा)

2. शिक्षा विभाग : (एक प्रतिनिधि)
प्रोफेसर एम.के. श्रीवास्तव, सदस्य
संयुक्त शिक्षा सलाहकार (त.),
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

3. श्रम मंत्रालय : (एक प्रतिनिधि)
श्री बी.एम. राघवन, सदस्य
निदेशक,
सी.आई.एम.आई., मार्फन रोड,
गिन्डी, मद्रास।

4-6 मुख्य रोजगार मंत्रालय : (तीन प्रतिनिधि)
(रेलवे परिवहन, लोक कल्याण
विभाग,
रक्षा, सिविल, विद्युत आदि)

7-13 राज्य और संघ शासित प्रदेश : (प्रत्येक राज्य और संघ शासित प्रदेश से एक प्रतिनिधि)

1. पाण्डिचेरी : डा. एम. रामे सदस्य
गोवाडा,
प्रधानाचार्य,
पाण्डिचेरी इंजीनियरी कालेज,
पाण्डिचेरी।

| | | |
|---|--|-----------------------------|
| 2. केरल : डा. आर. जयारामण, सदस्य तकनीकी शिक्षा निदेशक, केरल सरकार, पावर हाउस रोड, त्रिवेन्द्रम, | भा.प्रौ. संस्थान : निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास छ.क्षे. इंजी. केन्द्र | पदेन सदस्य |
| 3. लक्षदीप : श्री एम. जी. बंसल, सदस्य शिक्षा निदेशक, लक्षदीप संघ शासित करावती, द्वीपसमूह : | डा. पी. उन्नीकृष्ण पिल्लै, प्रधानाचार्य, क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज, कालीकट 670360 | सदस्य |
| * 4. आन्ध्र प्रदेश सदस्य | विश्वविद्यालय/राज्य इंजीनियरी कालेज | |
| * 5. कर्नाटक सदस्य | डा. डी. स्वामीनाथन कुलपति जवाहर नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद, | सदस्य |
| * 6. तमिलनाडु सदस्य | पालिटेक्निक : श्रीमती पार्वती, प्रधानाचार्य, बूमेन्स पालिटेक्निक, मद्रास त.शि.प्र.सं. | सदस्य |
| 14-16 उद्योग वाणिज्य और श्रम (अखिल भारतीय से संबंधित विख्यात व्यक्ति तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा नामित किए जाने उद्योग वाले तीन प्रतिनिधि) डा. बी. प्रसाद सदस्य उपाध्यक्ष, आन्ध्र प्रदेश राज्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी आयोग, हैदराबाद | प्रोफेसर टी. मुंबाराव, प्रधानाचार्य, त.शि.प्र.सं., मद्रास | सदस्य |
| वाणिज्य : अध्यक्ष, दक्षिण भारतीय प्लानिशन पदेन सदस्य संघ *श्रम रिक्त | प्रबन्ध निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, बंगलौर, कम्प्यूटर विज्ञान प्रोफेसर ए.के. मेनन, कम्प्यूटर विज्ञान के प्रमुख, कम्प्यूटर विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी कोचीन विश्वविद्यालय, कोचीन- 682022 | पदेन सदस्य सदस्य |
| 17. भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी (एक प्रतिनिधि) डा. रवि कुमार, सदस्य प्रधानाचार्य, कालेज आफ इंजीनियरिंग. त्रिवेन्द्रम-695016. | | |
| 18-28 भा.प्रौ. संस्थानों, क्षेत्रीय (अखिल भारतीय तक- इंजीनियरी केन्द्रों, प्रबन्ध नीकी शिक्षा परिषद संस्थानों, राज्य इंजीनियरी द्वारा नामित किए जाने कालेज तथा पालिटेक्निक वाले 3 प्रतिनिधि आदि। | फार्मैसी डा. ए.डी. दामोदरन, निदेशक, आर.आर.एल., त्रिवेन्द्रम,। | सदस्य |

- 26-28* अखिल भारतीय अध्ययन बोर्ड : (तीन प्रतिनिधि)
- 29* इन्स्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स इंडिया (एक प्रतिनिधि)
- 30-31 राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड : (तकनीकी शिक्षा के दो राज्य बोर्ड/परिषद के अध्यक्ष)
1. अध्यक्ष, तकनीकी शिक्षा की राज्य- पदेन सदस्य बोर्ड/परिषद आन्ध्र प्रदेश
 2. अध्यक्ष, तकनीकी शिक्षा का राज्य पदेन सदस्य बोर्ड/परिषद, तमिलनाडु
- 32-33 प्रशिक्षुता बोर्ड : (दो बोर्डों के अध्यक्ष)
1. अध्यक्ष, प्रशिक्षुता प्रशिक्षण, मद्रास पदेन सदस्य
 2. अध्यक्ष, प्रशिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड, पदेन सदस्य बोर्ड, बम्बई
- 34-35 : राज्य औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड : (दो औद्योगिक सम्पर्क बोर्डों के अध्यक्ष)
1. अध्यक्ष, औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड, कर्नाटक पदेन सदस्य केरल
 2. अध्यक्ष, औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड, कर्नाटक पदेन सदस्य
36. औद्योगिक इंजीनियरी परिमंघ (एक प्रतिनिधि)
श्री सी. आर. स्वामीनाथन. सदस्य
प्रमुख कार्यकारी,
पी. एम. सी. औद्योगिक संस्थान,
कोयम्बटूर-641004
37. विख्यात समाज विज्ञानी। (एक प्रतिनिधि)
प्रोफेसर सी. टी. कुरियन सदस्य
पूर्व निदेशक, मिड्स
38. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एक प्रतिनिधि)
डा. एम. पी. गुप्ता. सदस्य
अपर सचिव,
वि. आ. आ. बहादुरशाह जफर
मार्ग, नई दिल्ली।
39. योजना आयोग : (एक प्रतिनिधि)
श्री एम. आर. कोल्हाटकर. सदस्य
सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग, नई दिल्ली।
- विकल्प :
- श्री ए. आर. चोपड़ा,
उप सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग
योजना भवन, नई दिल्ली।
40. राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड : (एक प्रतिनिधि)
41. महिलाओं के हितों की देख-भाल करने हेतु प्रतिनिधि (एक प्रतिनिधि)
डा. लीला गुलाटी, सदस्य
विकास अध्ययन केन्द्र,
त्रिवेन्द्रम।
42. ग्रामीण विकास के लिए उपयुक्त प्रायोगिकी के हितों की देखभाल करने के लिए प्रतिनिधि (एक प्रतिनिधि)
प्रोफेसर मी. वी. शेषाद्री, सदस्य
मुकुप्पा चेट्टियार संस्थान, मद्रास
43. क्षेत्रीय अधिकारी : सदस्य सचिव
दक्षिणी क्षेत्रीय, मद्रास
- टिप्पणी :— *इन संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य उस तारीख से दक्षिणी क्षेत्रीय समिति के सदस्य के रूप में कार्यभार संभालेंगे जिससे उन्हें नियुक्त किया जाता है।
- कार्यकरण :— नयी संस्थाओं, नये पाठ्यक्रमों तथा कार्यक्रमों की गृह्यन्त सहित विकास प्रस्तावों/योजनाओं पर कार्यवाई करना। परिषद की सिफारिशों/निर्णय का कार्यान्वयन। निम्नलिखित के साथ पारस्परिक क्रियाकलाप :—
- (क) तकनीकी शिक्षा की राज्य संस्था; (ख) राज्य औद्योगिक सम्पर्क बोर्ड; (ग) तकनीकी संस्था के शासी निकाय; (घ) क्षेत्रीय इंजीनियरी कॉलेज; (ङ) तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान; (च) सामुदायिक पालिटेक्निक; (छ) प्रशिक्षुता, प्रशिक्षण बोर्ड; (ज) अन्य तकनीकी संस्थान निकाय; और (झ) राज्य समितियों तथा अन्य

शैक्षिक संगठन/निकाय/राज्य सरकारों/राज्य तकनीकी शिक्षा निदेशालय/व्यावसायिक निकाय/औद्योगिक संगठनों के साथ सम्पर्क स्थापित करना।

*तकनीकी संस्थाओं का सर्वेक्षण—तकनीकी जनशक्ति का मूल्यांकन सांख्यिकी आधार का विकास—

*राज्य सरकारों के लिए भावी विकास के लिए मार्गदर्शी सूचना का संग्रह तथा प्रसारण।

कोटि सुधार कार्यक्रमों का क्रियान्वयन:—

- (क) कर्मचारी विकास योजनाओं संबंधी आंकड़े एकत्र करना।
- (ख) उद्योग में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अध्यापकों का नियोजन।
- (ग) पहले से विद्यमान तकनीकी संस्थाओं, पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का समेकन।
- (घ) निर्धारित मानदण्डों का प्रोत्साहन और कार्यान्वयन।
प्रत्यायन (राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की महायता)
- (क) संस्थाओं के दौरे।
- (ख) कार्यक्रमों और सुविधाओं का मूल्यांकन।
- (ग) समग्र मूल्यांकन संबंधी रिपोर्टें।

अनुश्रवण तथा मूल्यांकन।

- (क) सभी केन्द्रीय योजनाएं।
- (ख) सभी राज्य योजनाएं।
- (ग) समय-समय पर तकनीकी शिक्षा प्रणाली को पुनः सक्रिय करना।

जनता छात्रों, शिक्षकों आदि से पी.आर. से सम्पर्क स्थापित करना। भारत तथा विदेश से शिष्ट मण्डलों के लिए प्रबन्ध करना। परिषद द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य। क्षेत्रों का चयन।

दक्षिणी क्षेत्र:

राज्य : आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु
संघशासित प्रदेश: लक्षद्वीप, मिनीकाय, और अमिनदीव समूह और पांडिचेरी।

[मं. फा. 1-52/89-टी.-5 (अ.भा.त.शि.प.)]

अणोक्त चन्द्र, शिक्षा मन्त्रालय (तक.)

और मदस्य-मन्त्रि
(अ.भा.त.शि.प.)

G.S.R. 390—In exercise of the powers conferred under Clause 14(iv) and 23(iii)(e) of the All India Council for Technical Education (AICTE) Act, 1987 (No. 52 of 1987) the AICTE hereby establishes the Southern Regional Committee with its Office at Madras w.e.f. 18th April, 1990. The composition, functions, demarcation and Membership of the Southern Regional Com-

mittee will be as given below :

Composition and Membership

*1. Chairman : (to be appointed by the Chairman, All India Council for Technical Education)

2. Department of Education
(One representative)

Prof. S.K. Srivastava, —Member
Joint Educational Adviser(T),
Ministry of Human
Resource Development
(Department of Education)
Shastri Bhavan. New Delhi.

3. Ministry of Labour : (One representative)
Shri V.M. Raghavan, —Member
Director,
CIMI, C/o ROAT, Guindy, Madras.

*4-6: Major Employment Ministries
(Three representatives)
(Railway, Transport, P.W.D.,
Defence, Irrigation, Power, etc.)

7-13: State & Union Territories:
(One representative from each
State and UT)

1. Pondicherry :
Dr. S. Rame Gowda —Member
Principal,
Pondicherry Engg. College,
Pondicherry.

2. Kerala :
Dr. R. Jayaraman, —Member
Director of Technical
Education,
Government of Kerala,
Power House Road,
Trivandrum.

3. Lakshadweep :
Shri M.P. Bansal, —Member
Director of Education,
U.T. of Lakshadweep,
Kavaratti Islands

*4. Andhra Pradesh —Member

*5. Karnataka —Member

*6. Tamil Nadu —Member

14-16: Eminent persons connected with Industry, Commerce and Labour: (Three representatives to be nominated by Chairman, AICTE)

Industry

Dr. B. Prasad, —Member

Vice-Chairman,

Andhra Pradesh State Science and Technology Commission, Hyderabad.

Commerce :

Chairman, South Indian Plantation Association Ex-Officio Member

*Labour

Vacant

17. Indian Society for Technical Education : (One representative)

Dr. R. Ravi Kumar, —Member

Principal,

College of Engineering,

Trivandrum-695016.

18-25: Technical Institutions including IITs, RECs, Management Institutions, State Engineering Colleges and Polytechnics) etc.

(8 representatives)

to be nominated

by Chairman,

AICTE)

IITs :

Director. Ex-Officio Member
Indian Institute of Technology,
Madras.

RECs :

Dr. P. Unikrishna Pillai, —Member
Principal,
Regional Engg. College,
Calicut-670360

Universities/State Engineering Colleges

Dr. D. Swaminathan. —Member
Vice-Chancellor,
Jawaharlal Nehru Technological
University,
Hyderabad.

Polytechnics :

Mrs. Parvathy, —Member
Principal,
Women's Polytechnics,
Madras.

TTTI :

Prof. T. Subha Rao, —Member
Principal,
TTTI, Madras.

Management

Director, Ex-Officio Member
Indian Institute of Management,
Bangalore.

Computer Science

Prof. A.K. Menon, —Member
Head of Computer Science
Department of Computer,
Cochin University of Science &
Technology,
Cochin-682022

Pharmacy

Dr. A.D. Damdaran. —Member
Director,
RRL, Trivandrum.

26-28: *All India Boards of Studies :
(Three representatives)

*29. Institution of Engineers India :
(One representative)

30-31: State Boards of Technical Education
(Chairman of the two
State Board/Council of
Technical Education).

1. Chairman, State Board/
Council of Technical Education,
Andhra Pradesh. Ex-Officio Member
2. Chairman, State Board/
Council of Technical Education,
Tamil Nadu Ex-Officio Member

32-33: Boards of Apprenticeship :
(Chairman of two Boards)

1. Chairman, Board of
Apprenticeship Training
Madras. Ex-Officio Member
2. Chairman, Board of
Apprenticeship Training,
Bombay. Ex-Officio Member

34-35: State Industrial Liaison Boards :
(Chairman of two Industrial Liaison Boards).

1. Chairman, Industrial
Liaison Board,
Kerala. Ex-Officio Member

2. Chairman, Industrial Liaison Board, Karnataka Ex-Officio Member
36. Confederation of Engineering Industry :
(One representative)
Mr. C.R. Swaminathan, —Member
Chief Executive,
PSG Industrial Institute,
Coimbatore-641004.
37. Eminent Social Scientist :
(One representative)
Prof. C.T. Kurian, —Member
Former Director, MIDS.
38. University Grants Commission :
(One representative)
Dr. S.P. Gupta, —Member
Additional Secretary,
U.G.C. Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi.
39. Planning Commission :
(One representative)
Shri M.R. Kolhatkar, —Member
Adviser (Education),
Planning Commission,
Yojana Bhawan,
New Delhi.
Alternate
Shri S.R. Chopra,
Deputy Adviser (Education),
Planning Commission,
Yojana Bhawan, New Delhi.
40. *National Board of Accreditation :
(One representative)
41. Representative to look after the Interests of Women :
(One representative)
Dr. Leela Gulhati, —Member
Centre of Development Studies,
Trivandrum.
42. Representative to look after the interests of Appropriate Technology for Rural Development
(One representative)
Prof. C.V. Seshadri, —Member
Margappa Chetiar Institute,
Madras.
43. Regional Officer : Member-Secretary
Southern Regional Office,
Madras.
- Note : *The Members representing these organisations will assume the charge of Office of the Members of the Southern Regional Committee from the date they are so appointed.
- Functions :
- Processing of development proposals/schemes including starting of new technical institutions, new courses and programmes.
- Implementation of the recommendations/decision of the Council.
- Interaction with (a) the State Board of Technical Education; (b) State Industrial Liaison Board; (c) Governing Bodies of technical institutions; (d) Regional Engineering College, (e) TTIs, (f) Community Polytechnics; (g) Boards of Apprenticeship Training; (h) Other Technical institute bodies; and (i) Committees of the States and other educational organisations/bodies.
- Liaison with the State Governments/State DTE/Professional Bodies/Industrial Organisations.
- Survey of technical institutions—technical manpower assessment—Developing Data Base—Collection & Dissemination of information Guide to the State Governments for future development.
- Implementation of Quality Improvement Programmes;
- (a) Collection of data on staff development Schemes;
- (b) Placement of teachers for practical training in Industry;
- (c) Consolidation of Technical Institutes, courses and programmes already existing;
- (d) Promotion and implementation of prescribed norms.
- Accreditation (Assistance to National Board on Accreditation).

- (a) Visits to Institutions
- (b) Assessment of Programmes and Facilities
- (c) Reports on overall assessment. Monitoring and Evaluation.
- (a) All Central Schemes
- (b) All States Schemes
- (c) Revitalisation of system of Technical Education from time to time.
- PR Contact with Public students teachers etc.

Arrangement for Delegations from India and abroad. Any other work assigned by the Council.
Demarcation of Regions

Southern Region :

States : Andhra Pradesh, Karnataka,
Kerala and Tamilnadu.

U.T. Laccadive, Minicoy, and Amin-
give Islands & Pondicherry.

[No. 1-52/89-T.5(AICTE)]

ASHOKA CHANDRA, Educational Adviser (T)
& Member-Secy. (AICTE).